बसों में बढ़ती आग पर गडकरी... 02

राष्ट्रीय शिखर

पिता हमेशा कहां करते थे... 11

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 42 | गाजियाबाद / शनिवार 16 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल-डीजल 3-3 रू. महंगे हुए, नई कीमतें लागू

- दिल्ली में पेट्रोल 97.77 लीटर हुआ, कंपनियों को अभी भी 25-30 प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं।

करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है। वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25-30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में सीएनजी भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो सीएनजी के लिए 79.09 खर्च करने होंगे।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

- मालभाड़ा बढ़ेगा
- खेती की लागत बढ़ेगी
- बस-ऑटो का किराया बढ़ेगा।

2024 से दाम नहीं बदले थे, चुनाव से पहले कटौती हुई थी- देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मार्च 2024 से स्थिर बनी हुई थीं। लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले सरकार ने कीमतों में 2 प्रति लीटर की कटौती कर जनता को राहत दी थी। हालांकि, तकनीकी रूप से भारत में ईंधन की कीमतें विनियमित हैं और कंपनियां अंतरराष्ट्रीय क्रूड की 15 दिनों की औसत कीमत के आधार पर हर दिन रेट बदल सकती हैं, लेकिन राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण इन्हें लंबे समय तक नहीं बदला गया।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, कांग्रेस बोली- चुनाव खत्म, वसूली शुरू,अखिलेश बोले साइकिल ही विकल्प पेट्रोल, डीजल में 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है।

चांदी एक दिन में 19,693 सोना 3,000 सस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी की कीमतों में 15 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 19,693 रुपए घटकर 2.68 लाख रुपए रह गई, जो गुरुवार को 2.87 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,000 रुपए घटकर 1.58 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले 16 अप्रैल को यह 1.61 लाख पर था। सोना ऑल टाइम हाई से 106 दिन में 17,962 और चांदी 1,18,433 सस्ती हुई है। 29 जनवरी को सोना रू. 1.76 लाख/ 10 ग्राम और चांदी 3.86 लाख/किलो थी।

ट्रम्प बोले- चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार

- ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, ब्रिक्स से अमेरिका की निंदा की अपील

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने होर्मुज को खुला रखने में मदद की पेशकश की है। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि शी जिनपिंग चाहते हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता हो जाए। ट्रम्प के मुताबिक, शी जिनपिंग ने कहा कि अगर मैं किसी तरह मदद कर सकता हूं, तो मैं मदद करना चाहूंगा। चीन बड़ी मात्रा में ईरानी तेल खरीदता है, इसलिए उसकी भी दिलचस्पी है कि होर्मुज खुला रहे।

पंजाब के किसानों का चंडीगढ़ कूच, पुलिस से भिड़े

- ट्रैक्टरों से बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे, पानी की बौछारें छोड़ी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के किसानों ने 15 मई को चंडीगढ़ कूच किया। किसान विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलने जा रहे थे। इसके लिए बड़ी संख्या में किसान मोहाली के बायपीएस चौक पर जुटे, जहां से उनका चंडीगढ़ की ओर बढ़ने का कार्यक्रम था। किसानों के मार्च को देखते हुए पुलिस पहले से अलर्ट पर रही। पुलिस ने बायपीएस चौक से चंडीगढ़ जाने वाले मुख्य रास्ते को सील कर दिया। इसके अलावा सेक्टर-50 की ओर जाने वाली सड़क पर भी भारी बैरिकेडिंग की गई, क्योंकि यह रास्ता राज्यपाल के आसपास के इलाके की तरफ जाता है। इसके बावजूद किसान आगे सेक्टर-50 वाले मार्ग पर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। मौके पर तनाव बढ़ गया और किसानों व पुलिस के बीच टकराव की स्थिति बन गई। किसानों ने ट्रैक्टरों के साथ लगी लोहे की चेन की मदद से बैरिकेडिंग उखाड़ दी और आगे बढ़ने का प्रयास किया।

दिल्ली में पहली बार दौड़ीं हाइड्रोजन बसें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली वालों के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली में पहली बार हाइड्रोजन बसों का संचालन शुरू हो गया है। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ परिवहन की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स और मिनिस्ट्री ऑफ पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस के साथ मिलकर आज दिल्ली के सेंट्रल विस्टा एरिया में एक इंटीग्रेटेड हाइड्रोजन-पावर्ड शटल बस सर्विस शुरू की है।

15 मई शुक्रवार सुबह 8:30 बजे सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन से पैसेंजर सर्विस के लिए दो हाइड्रोजन बसें शुरू की गईं। इन बसों की चाबियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर (रिफाइनरी), अरविंद कुमार ने डीएमआरसी और आईएसीएल के दूसरे सीनियर अधिकारियों की मौजूदगी में डीएमआरसी के डायरेक्टर (ऑपरेशंस एंड सर्विसेज) डॉ. अमित कुमार जैन को सौंपीं।

कई सुविधाओं से लैस हैं बसें- हाइड्रोजन-ईंधन से चलने वाली ये बसें सुविधाओं से लैस होंगी। इन बसों में जीपीएस आधारित ट्रैकिंग और सीसीटीवी सिस्टम लगे हैं। इनसे वास्तविक समय की निगरानी, सुरक्षा और समय की पाबंदी सहित मार्ग का पालन करने उपयोग किया जा सकेगा।

यह रहेगी बसों की टाइमिंग- डीएमआरसी के निदेशक अमित कुमार जैना के अनुसार, दिल्ली में इन बसों को सुबह 8.30 से दोपहर में 12.30 बजे तक और 3.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक चलाया जाएगा। अमिक कुमार जैन ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि इन प्रणाली को सेंट्रल विस्टा जोन में पर्यावरण के अनुकूल लास्ट-मॉडल कनेक्टिविटी विकल्प के रूप में डिजाइन किया गया है।

कहां से कहां तक दौड़ेगी- हाइड्रोजन बसों का संचालन सेंट्रल सचिवालय और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टशन के बीच होगा।

मप्र हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

धार भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना

- अयोध्या केस को फैसले का आधार बनाया, मुस्लिमों को नमाज की इजाजत देने का आदेश खारिज

इंदौर/धार (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। शुक्रवार को दिए फैसले में हाईकोर्ट ने कहा- हमने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पर विचार किया है। एएसआई एक्ट के प्रावधानों के साथ-साथ अयोध्या मामले को भी आधार माना। एंड बेंच के मुताबिक, हाईकोर्ट ने कहा-ऐतिहासिक और संरक्षित जगह देवी सरस्वती का मंदिर है। केंद्र सरकार और एएसआई यह फैसला लें कि भोजशाला मंदिर का मैनेजमेंट कैसा रहेगा। 1958 एक्ट के तहत इस प्रॉपर्टी का पूरा मैनेजमेंट एएसआई के हाथ में ही रहेगा।

अदालत ने एएसआई का 2003 का वह आदेश भी रद्द कर दिया, जिसमें एएसआई ने भोजशाला में हिंदुओं को पूजा का अधिकार नहीं दिया था। उस आदेश को भी खारिज कर दिया, जिसमें मुस्लिमों को नमाज पढ़ने का अधिकार दिया गया था। भोजशाला को कमाल मौला मस्जिद बताते रहे मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने सरकार से मस्जिद के लिए अलग जमीन मांगने को कहा है।

हाईकोर्ट के फैसले के निम्न बिन्दु

- हाईकोर्ट ने कहा कि भोजशाला में सरस्वती मंदिर और संस्कृत शिक्षा केंद्र के साक्ष्य पाए गए हैं।
- कोर्ट ने पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई सर्वे के साथ अयोध्या केस को भी आधार माना।
- कोर्ट ने कहा- हर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व वाले प्राचीन स्मारकों और मंदिरों की सुरक्षा निश्चित करे। साथ ही गर्भगृह और धार्मिक आस्था से जुड़ी देव प्रतिमाओं का भी संरक्षण करे।

एएसआई ने किया था 98 दिन का वैज्ञानिक सर्वे- 2024 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भोजशाला परिसर का 98 दिन तक वैज्ञानिक सर्वे किया था। इसके बाद 23 जनवरी 2026 को वसंत पंचमी पर सुप्रीम कोर्ट ने दिनभर निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति दी। हाईकोर्ट में 6 अप्रैल से नियमित सुनवाई शुरू हुई, जो 12 मई तक चली।

हिंदू पक्ष ने मंदिर होने के दिए तर्क- हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ताओं ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र बताते हुए ऐतिहासिक दस्तावेज, एएसआई सर्वे, शिलालेख, स्थापत्य अवशेष और वसंत पंचमी पर पूजा की परंपरा का हवाला दिया।

सुनवाई के दौरान किसने क्या तर्क दिए

हिंदू पक्ष- भोजशाला पर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट लागू नहीं होता। यह एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक है। प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल एवं अवशेष अधिनियम 1951 की सूची में भोजशाला का नाम दर्ज है। साल 2024 में अश्विनी उपाध्याय केस में दिए तर्क को भोजशाला मामले में लागू नहीं किया जा सकता।7 अप्रैल 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश को निरस्त करने की मांग। कोर्ट से आग्रह किया कि भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय कर इसे पूर्ण रूप से हिंदू समाज को सौंपा जाए। इससे मां सरस्वती की पूजा और हवन वर्षभर निर्बाध रूप से किया जा सके।

मुस्लिम पक्ष- वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने कोर्ट में कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि भोजशाला मंदिर है, मस्जिद है या जैनशाला।विवादित स्थल का धार्मिक स्वरूप तय करने का अधिकार सिविल कोर्ट को है। हाई कोर्ट अनुच्छेद 226 के तहत रिट अधिकार क्षेत्र में सुनवाई कर रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने एएसआई सर्वे पर सवाल उठाते हुए कहा कि उपलब्ध कराई गई वीडियोग्राफी स्पष्ट नहीं है। रंगीन तस्वीरें भी नहीं दी गई। उन्होंने अयोध्या फैसले का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां रामलला विराजमान की मूर्ति मौजूद थी। भोजशाला में कोई स्थापित मूर्ति नहीं है।

जैन समाज

जो प्रतिमा मां वाग्देवी की बताई जा रही है, वह जैन समुदाय की आराध्य मां अंबिका की है। सीहोर में मां अंबिका के मंदिर में ठीक वैसी ही प्रतिमा है, जो भोजशाला में मिली थी। इसे जैन तीर्थ घोषित किया जाना चाहिए।

धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। एसपी सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पुलिस बल को निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि धार शहर की सुरक्षा 12 लेयर में की गई है। रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को भी अलर्ट पर रखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दो एयरलाइन का किराया अलग-अलग क्यों

- एक एयरलाइन 8000 चार्ज करती है, दूसरी 18000; सरकार से कहा- लोगों को थोड़ी राहत दें

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही दिन, एक ही सेक्टर में उड़ान भरने वाली एक एयरलाइन कुछ अलग हवाई किराया लेती है जबकि दूसरी एयरलाइनल अलग किराया लेती है। इसे सही किया जाना चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र सरकार से यात्रियों को राहत देने को कहा।

इस पर केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि सरकार इस समस्या पर बहस नहीं कर रही है। इस मुद्दे को बिना किसी विरोध के मान रही है। 2024 का एक नया कानून लागू हो गया है और उससे जुड़े नियमों पर सलाह-मशविरा चल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट सोशल एक्टिविस्ट एस लक्ष्मीनारायणन की दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने मांग की कि देश में एक मजबूत और स्वतंत्र रेगुलेटर बनाया जाए, जो एयरलाइनों के किराए और एक्स्ट्रा चार्जेस पर निगरानी रखे।

- **याचिकाकर्ता का दावा- नियम पहले, पालन नहीं हो रहा-** लक्ष्मीनारायणन के वकील रवींद्र श्रीवास्तव ने कहा कि एयरक्राफ्ट एक्ट 1937 के तहत नियम पहले से ही हैं लेकिन समस्या यह है कि पालन नहीं किया गया। जब तक नए नियम नहीं बन जाते, पुराने नियम जारी रहेंगे। साथ ही कहा गया है कि अगर डीजीसीए को लगता है कि किसी खास स्थिति में, एयरलाइंस बहुत ज्यादा किराया वसूल रही हैं, तो वह निर्देश जारी करेगा।

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता

राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक में फैसला, मोदी के प्लेन को एफ-16 फाइटर जेट से सुरक्षा दी गई

दुबई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक यूएई एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े एमओयू भी साइन किए गए।

यूएई ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की। भारत और यूएई के बीच हुए 7 समझौते हुए हैं।

भारत-यूएई की दोस्ती बेहद मजबूतः प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर भारत-यूएई रिश्तों को मजबूत और भरोसेमंद बताया। उन्होंने कहा, भारत और यूएई की दोस्ती बहुत मजबूत है। मोदी ने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

भारत-यूएई साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंची- मोदी ने कहा कि जनवरी में यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों को और मजबूत करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि कम समय में दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की है।

मोदी बोले- होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित रहना जरूरी- मोदी ने कहा कि भारत चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट खुला और सुरक्षित बना रहे। उन्होंने कहा कि वेस्ट एशिया युद्ध का असर पूरी दुनिया पर दिख रहा है और भारत हमेशा संवाद व कूटनीति के जरिए समाधान का पक्षधर रहा है। उन्होंने कहा कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत हर परिस्थिति में यूएई के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने के लिए भारत हर संभव सहयोग देगा।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी : प्रधान

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को

यह पेपर-पेंसिल से होगी, सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले सत्र से नीट यूजी परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई नीट यूजी -2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे।

उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 7 मई को गड़बड़ी का पता चला था। एनटीए ने सरकार को बताया। फिर 12 मई को रीएग्जाम का फैसला लिया गया।

शिक्षा मंत्री ने कहा, 'रीएग्जाम में छात्रों को 15 मिनट का एक्स्ट्रा टाइम मिलेगा। छात्र रीएग्जाम में अपनी पसंद का सेंटर चुन पाएंगे।' इससे पहले 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, छात्रों के आने-जाने के लिए राज्यों से बात करूंगा- केंद्रीय

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, राधाकृष्ण समिति की सिफारिशों का पालन करने के बावजूद यह उल्लंघन कैसे हुआ। ऐसे में सरकारी मशीनरी यह सुनिश्चित करेगी कि इस बार कोई अनियमितता न हो। मंत्री के रूप में, अभिभावक के रूप में, अधिकारी के रूप में हमें परीक्षा रद्द करने का कठिन निर्णय लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें सुधारों के लिए कई सुझाव मिले हैं। हम इस पर काम कर रहे हैं। एनटीए का गठन सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार हुआ था।

महाराष्ट्र में विमान कंपनियों को बड़ी राहत, एटीएफ पर वैट 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत किया

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण बढ़ी विमान ईंधन कीमतों और हवाई मार्गों पर पड़े असर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने विमान कंपनियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने एव्हिएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाला वैट (वैट) 18 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत करने का फैसला लिया है। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार नया कर दर 15 मई 2026 से लागू होगा और 14 नवंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। सरकार के इस फैसले से एटीएफ पर 11 प्रतिशत की सीधी कटौती हुई है, जिससे विमान कंपनियों के ईंधन खर्च में कमी आने की संभावना है। भारतीय एयरलाइंस के कुल संचालन खर्च में ईंधन की हिस्सेदारी लगभग 35 से 40 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में इस टैक्स कटौती को विमानन उद्योग के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते सप्लाई चेन प्रभावित हुई है और कई देशों के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके कारण उड़ानों के रूट लंबे हो गए हैं और विमान कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसी के मद्देनजर केंद्रीय नागर विमानन मंत्रालय ने महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से एटीएफ पर टैक्स कम करने को लेकर चर्चा की थी। देश में एटीएफ पर सबसे ज्यादा वैट लगाने वाले राज्यों में तमिलनाडु (29 प्रतिशत), दिल्ली (25 प्रतिशत) और महाराष्ट्र शामिल थे। महाराष्ट्र में पहले 18 प्रतिशत वैट लिया जा रहा था, जिसे अब घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। इस बीच शुक्रवार को ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, जबकि विमान ईंधन पर टैक्स कम किया गया है। इसे लेकर अब आम लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई है कि सरकार क्या अब आम जनता को भी राहत देने के लिए कदम उठाएगी ?

अमिताभ बच्चन के बाद रणबीर कपूर ने खरीद रामनगरी में जमीन

अयोध्या(एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या को लेकर बॉलीवुड के कलाकारों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। महानायक अमिताभ बच्चन के बाद अभिनेता रणबीर कपूर ने भी अयोध्या में 2.42 करोड़ की जमीन का एग्रीमेंट कराया है। रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी। यह जमीन 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप' की परियोजना में ली जा रही है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने पहले ही सरयू तट पर दो जमीनें खरीदीं और एक का एग्रीमेंट कराया है। अब दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के बेटे रणबीर कपूर ने भी सरयू तट पर जमीन खरीदने के लिए एग्रीमेंट कराया है। बताया गया है कि अभिनेता रणबीर के पॉवर ऑफ अटार्नी ने गुरुवार को 198.26 वर्ग मीटर जमीन का एग्रीमेंट द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा ग्रुप के साथ किया है। यह जमीन सरयू तट के तिहुरा माझा क्षेत्र में ली जा रही है। जमीन की कीमत दो करोड़ 42 लाख 15 हजार 786 रुपये बताई गई है। लोढ़ा ग्रुप श्रीराम मंदिर से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर नई साइट डेवलप कर रहा है। लोढ़ा ग्रुप के साथ ही उसके आसपास भी लोग जमीन खरीद रहे हैं। उपायुक्त स्टाम्प योगेंद्र प्रताप सिंह के मुताबिक राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में सेलिब्रिटीज का निवेश लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभिनेता रणवीर कपूर के पॉवर ऑफ अटार्नी की ओर से गुरुवार को लोढ़ा ग्रुप के साथ जमीन का एग्रीमेंट कराया है। जमीन की रजिस्ट्री बाद में कराई जाएगी।

पहले ही कहा था...साइकिल से बेहतर कुछ नहीं, पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर अखिलेश का तंज

लखनऊ (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी का एलान किया है। इस फैसले को लेकर सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने मोदी सरकार की घेराबंदी की है। अखिलेश ने एक्स पर ट्वीट किया, मैंने पहले ही कहा था..... साइकिल से बेहतर कुछ नहीं। बता दें कि अखिलेश ने योगी मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे में हो रही देरी पर भी योगी सरकार को घेरा है। ट्वीट कर लिखा कि उप्र में मंत्रियों के नाम के बाद, अब क्या उनके विभागों की 'पर्ची' भी ऊपर से आएगी?

पंजाब में ईंधन मूल्य वृद्धि पर विपक्ष हमलावार, आम आदमी की कमर तोड़ने वाला फैसला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में अचानक हुई तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी ने तीव्र राजनीतिक बहस शुरु कर दी है। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलकर फैसले को आम आदमी की कमर तोड़ने वाला और जनविरोधी बताया है। विपक्ष का आरोप है कि यह वृद्धि किसानों और मध्यम वर्ग पर भारी बोझ डालेगी, जिससे दैनिक जरूरत की सभी चीजें महंगी होगी। पंजाब के वित्त मंत्री और आप के वरिष्ठ नेता हरपाल सिंह चीमा ने कदम को भाजपा का किसान-विरोधी और जनविरोधी चेहरा बेनकाब करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक ओर ईंधन महंगा करती है और दूसरी तरफ धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सिर्फ 72 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी करती है, जो किसानों की आय पर सीधा वार है। मान सरकार में मंत्री चीमा के अनुसार, एमएसपी बढ़ाकर तुरंत डीजल महंगा करने से किसानों का वाजिब मुआवजा छीना गया है। वहीं कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी केंद्र पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मोदी सरकार पर पाखंड का आरोप लगाकर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी वाहनों के कम इस्तेमाल, कार पूलिंग और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने का उपदेश देते हैं, और दूसरी तरफ चुपचाप पेट्रोल-डीजल महंगा कर देते हैं। कांग्रेस नेता वडिंग ने सवाल किया, यही था उस नाटक के पीछे का असली खेल? उन्होंने चेतावनी दी कि इससे किसानों, ट्रक ऑपरेटरों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर ज्यादा मार पड़ेगी, जिससे जरूरत की हर चीज फिर महंगी होगी और अबकी बार, पेट्रोल सौ के पार की स्थिति बनेगी। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने भी बढ़ोतरी को कमरतोड़ बताकर कहा कि इससे पहले से ही महंगाई से जूझ रहे आम आदमी को भारी नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को भी इसकी मार झेलनी पड़ेगी, और 72 रुपये की मामूली एमएसपी वृद्धि से उन्हें कोई राहत नहीं मिलेगी।

उन्नाव रेप केसः सुप्रीम कोर्ट से कुलदीप सेंगर को बड़ा झटका, रद्द हुआ हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप मामले में अहम फैसला सुनाकर पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को बड़ा झटका दे दिया है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द किया हैं, जिसमें सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित की गई थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस उच्च न्यायालय भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार कर दिल्ली उच्च न्यायालय को निर्देश दिया है कि वह सेंगर के दोषसिद्धि और उम्रकैद की सजा के खिलाफ दायर याचिका पर दो माह के भीतर फैसला करने का प्रयास करे। यह फैसला तब आया है जब बीते साल दिसंबर में दिल्ली उच्च न्यायालय ने सेंगर को जमानत पर रिहा करने और उनकी उम्रकैद की सजा को निलंबित करने का आदेश दिया था। इस आदेश पर पीड़िता और आम जनता में गहरा आक्रोश देखने को मिला था, जिसके बाद सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके पहले 29 दिसंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के जमानत के आदेश पर रोक लगा दी थी।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान, सेंगर की ओर से वरिष्ठ वकील एन. हरिहरन ने दलील दी कि घटना के समय पीड़िता नाबालिग नहीं थी। हालांकि, सीबीआई की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील का पुरजोर विरोध किया। सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि उच्च न्यायालय का यह मानना गलत है कि एक विधायक लोक सेवक नहीं होता। जस्टिस बागची ने भी इस दृष्टिकोण से सहमति जताकर कहा कि उच्च न्यायालय का यह जरूरत से ज्यादा तकनीकी दृष्टिकोण सही नहीं है। सीजेआई ने उच्च न्यायालय से इस बात पर भी फिर से विचार करने को कहा है कि यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉस्को एक्ट) के तहत मुकदमा चलाने के लिए एक विधायक को लोक सेवक माना जा सकता है या नहीं।

दरअसल, 23 दिसंबर 2023 के अपने आदेश में दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि सेंगर को पॉस्को एक्ट की धारा 5(सी) (एक लोक सेवक द्वारा यौन शोषण) के तहत दोषी ठहराया गया था, लेकिन एक चुना हुआ प्रतिनिधि भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के तहत लोक सेवक की परिभाषा में फिट नहीं बैठता है। अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सेंगर को जेल में ही रहना होगा और उच्च न्यायालय को मामले की फिर से विस्तृत सुनवाई करनी होगी।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ अवमानना याचिका खारिज

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और उनके शिष्य मुक्तानंद ब्रह्मचारी के खिलाफ दायर अवमानना याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। आशुतोष महाराज ने प्रयागराज में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को अग्रिम जमानत देते समय लगाई गई शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया था। अवमानना याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति दिनेश पाठक ने कहा कि यदि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जमानत की शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं, तो याचिकाकर्ता के पास इस अदालत द्वारा दी गई अग्रिम जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन दाखिल करने का वैधानिक उपाय उपलब्ध है। इससे पहले न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने इस अवमानना याचिका पर सुनवाई से स्वयं को यह कहते हुए अलग कर लिया था कि वह इस मामले की सुनवाई नहीं करना चाहते। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने मामला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत को सौंप दिया था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती कई सभाएं कर रहे हैं और सार्वजनिक बयान दे रहे हैं, जो अदालत के आदेश का उल्लंघन है।

ममता के वकील ड्रेस पर बार काउंसिल प्रमुख बोले- फर्जी लोग घूमते रहते हैं

-बीसीआई ने लाइसेंस पर उठाए सवाल, जांच शुरू

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के वकील की ड्रेस पहनकर पेश होने पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा ने उनके वकालत करने के वैध लाइसेंस पर संदेह व्यक्त करते हुए आधिकारिक जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि कई फर्जी लोग भी सक्रिय रहते हैं, इसलिए इस मामले की पुष्टि करना आवश्यक है।

पूरा मामला 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा से जुड़ी एक जनहित याचिका से शुरू हुआ। ममता बनर्जी वकील के काले कोट और सफेद बैंड में चीफ जस्टिस सुजॉय पॉल की बेंच के सामने पेश हुईं और अपनी पार्टी का पक्ष रखा। बीसीआई चेयरमैन ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब वह आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट गई थीं, तब वह वकील की वेशभूषा में नहीं थीं, लेकिन इस बार उन्होंने निर्धारित ड्रेस पहनकर कोर्ट में पैरवी की।

इस घटना के बाद बीसीआई ने पश्चिम बंगाल राज्य बार काउंसिल को पत्र लिखकर दो दिनों के भीतर ममता बनर्जी के कानूनी प्रैक्टिस के दर्जे की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। परिषद ने मुख्य रूप से उनके एनरोलमेंट नंबर, पंजीकरण की तारीख और वर्तमान स्टेटस की जानकारी तलब की है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया गया है कि चूंकि ममता बनर्जी 2011 से 2026 तक मुख्यमंत्री के संवैधानिक पद पर रहीं, तो क्या उन्होंने इस अवधि के दौरान नियमों के तहत अपनी प्रैक्टिस निलंबित करने की आधिकारिक सूचना दी थी?

शैक्षणिक पृष्ठभूमि की बात करें तो ममता बनर्जी के पास जोगेश चंद्र चौधरी लॉ कॉलेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री है। हालांकि, बार काउंसिल के नियमों के अनुसार, किसी भी लाभकारी या संवैधानिक पद पर रहने के दौरान वकालत का लाइसेंस निलंबित रखना अनिवार्य होता है। वर्तमान में बीसीआई इस बात की जांच कर रहा है कि क्या एक दशक से अधिक समय तक राजनीति में सक्रिय रहने के बाद, बिना प्रक्रिया पूरी किए उनका सीधे वकील के रूप में कोर्ट में पेश होना वैध है या नहीं। राज्य बार काउंसिल की रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में आगे की कानूनी स्थिति साफ होगी।

बसों में बढ़ती आग पर गडकरी का ऐलान, यात्रियों को मिलेगी विश्वस्तरीय सुरक्षा

भारत में बनेगी अमेरिका और यूरोप जैसी बसें

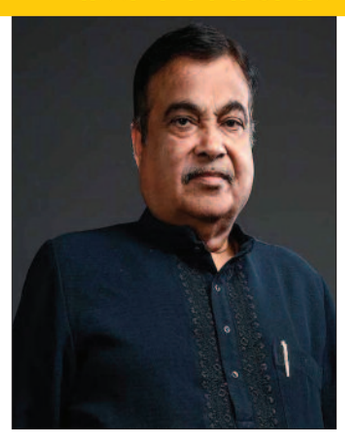

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बसों में आग लगने और सड़क हादसों की लगातार बढ़ती घटनाओं से चिंतित केंद्र की मोदी सरकार ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया कि आने वाले समय में देश में यूरोप और अमेरिका के स्तर की अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस बसें तैयार होगी। उन्होंने कहा कि इन नए सुरक्षा मानकों को केवल नई बसों में ही नहीं, बल्कि पुरानी बसों में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य बस यात्रा को अधिक सुरक्षित बनाना और हादसों में होने वाली जनहानि को कम करना है।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने खुद स्वीकार किया कि वर्तमान में देश की कई बसों का डिज़ाइन सुरक्षा के लिहाज़ से कमजोर है। हादसे के वक्त कई यात्री बस से बाहर नहीं निकल पाते, क्योंकि आपातकालीन दरवाजे जाम होते हैं या उसमें लोहे की रॉड जैसी बाधाएं लगी होती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर की बसों का उदाहरण देकर बताया कि उसमें बड़े इमरजेंसी ग्लास और विशेष प्लास्टिक हथौड़े होते हैं, जिससे यात्री शीशा तोड़कर तुरंत बाहर आ सकते हैं। अब भारत में बनने वाली नई बसों में इसतरह के फीचर्स अनिवार्य किए जाएंगे।

केंद्र सरकार के नए सुरक्षा मानकों में बेहतर इमरजेंसी एग्जिट, सीट बेल्ट, अत्याधुनिक फायर सेफ्टी सिस्टम, इमरजेंसी लाइट और ड्राइवर की नींद पहचानने वाले सेंसर शामिल होगा। विशेष रूप से, नई स्लीपर बसों को केवल अधिकृत फैक्ट्रियों में ही बनाया जा सकेगा और बिना फायर सेफ्टी जांच के उनका पंजीकरण नहीं होगा। नियमों का उल्लंघन कर अवैध बदलाव करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जेल की सजा तक हो सकती है।

बात दें कि हाल के महीनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बसों में आग लगने की कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं। मध्य प्रदेश के इंदौर में पार्किंग में खड़ी बसों में आग लगने से लेकर राजस्थान के उदयपुर में चलती स्लीपर बस का आग का गोला बन जाना, इन हादसों ने लोगों को झकझोर दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, शॉर्ट सर्किट, इंजन का अत्यधिक गर्म होना, डीजल रिसाव, एसी सिस्टम में खराबी, अवैध गैस सिलेंडर और हाई-टेंशन तारों के संपर्क में आना बसों में आग लगने के प्रमुख कारण हैं। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि इन कड़े सुरक्षा नियमों के लागू होने के बाद बस यात्राएं पहले से कहीं अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकेंगी।

हैदराबाद एयरपोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट में बम की धमकी से हड़कंप

-संदिग्ध विदेशी मुद्रा के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आ रही लुफ्थांसा एयरलाइंस की फ्लाइट एलएच 754 वी में बम होने की धमकी से शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हड़कंप मच गया। उड़ान के दौरान एयरलाइन के कस्टमर सपोर्ट को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें दावा किया गया था कि विमान में बम रखा गया है और हैदराबाद पहुंचने से पहले उसमें धमाका कर दिया जाएगा। इस संदेश के मिलते ही एयरपोर्ट की सुरक्षा एजेंसियां, एयर ट्रैफिक कंट्रोल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तुरंत अलर्ट मोड पर आ गए।

राहत की बात यह रही कि विमान ने हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। लैंडिंग के तुरंत बाद सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत विमान को सीधे आइसोलेशन बे (सुरक्षित क्षेत्र) में ले जाया गया। विमान में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी सघन जांच की गई। सुरक्षा बलों और डॉग स्क्वायड द्वारा विमान की बारीकी से ली गई तलाशी में फिलहाल कोई भी संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस धमकी भरे ईमेल के स्रोत और इसे भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान करने में जुटी हैं।

इसी दौरान, हैदराबाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान एक अन्य मामले में भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा बरामद की गई है। बैंकॉक जाने की तैयारी कर रहे सैयद इस्माइल अली नामक एक यात्री के सामान की जब सीआईएसएफ जवानों ने सामान्य बैगेज स्क्रीनिंग की, तो उसमें संदिग्ध विदेशी करेंसी पाई गई। जांच करने पर बरामद की गई विदेशी मुद्रा की भारतीय कीमत लगभग 11,85,930 रुपये आंकी गई है। सुरक्षा अधिकारियों ने उचित दस्तावेज न होने के कारण पूरी रकम को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारी अब इस बात की तफ्तीश कर रहे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से लाई गई थी और इसे अवैध रूप से बैंकॉक क्यों ले जाया जा रहा था।

अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई और आईएसएसओ के बीच एमओयू

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई) और इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट्स ऑर्गनाइजेशन (आईएसएसओ) ने देश के अंतरराष्ट्रीय स्कूलों में गोल्फ को बढ़ावा देने और विकसित करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी का उद्देश्य विद्यार्थियों को गोल्फ से जोड़ना, जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाना, प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें पेशेवर गोल्फ के अवसरों से परिचित कराना है। समझौते के तहत डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई, आईएसएसओ से जुड़े स्कूलों को तकनीकी विशेषज्ञता, प्रमाणित प्रशिक्षक, पेशेवर गोल्फरों का मार्गदर्शन, गोल्फ की बुनियादी जानकारी और शिष्टाचार संबंधी कार्यशालाएं तथा जूनियर गोल्फ विकास कार्यक्रमों में सहयोग देगा। आईएसएसओ की निदेशक आकांक्षा थापक ने कहा कि गोल्फ ऐसा खेल है जो अनुशासन, धैर्य, ईमानदारी और एकाग्रता जैसे मूल्यों को विकसित करता है। उन्होंने कहा कि डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के साथ यह साझेदारी विद्यार्थियों को सीखने, प्रतिस्पर्धा करने और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर प्रदान करेगी। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने कहा कि स्कूल स्तर पर गोल्फ को बढ़ावा देना खेल के दीर्घकालिक विकास और प्रतिभा निर्माण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह पहल अधिक युवाओं को गोल्फ अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

आईएसएसओ, इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएफ) से मान्यता प्राप्त संस्था है और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) से संबद्ध है। वहीं प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया भारत में पुरुष पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक संस्था है। संस्था का डीपी वर्ल्ड टूर (यूरोपियन टूर) के साथ रणनीतिक गठबंधन है तथा इसके आयोजनों में ऑफिशियल वर्ल्ड गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) अंक भी दिए जाते हैं। संस्था के अध्यक्ष महान क्रिकेटर कपिल देव हैं।

एके एंटनी की सलाह से बदला राहुल गांधी का रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कांग्रेस के मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर चली लंबी माथापच्ची आखिरकार गुरुवार को समाप्त हो गई है। पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर हो गए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले के पीछे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी की अहम भूमिका रही, जिन्होंने राहुल गांधी का रुख बदलने में निर्णायक योगदान दिया।

सूत्रों के अनुसार शुरुआती दौर में राहुल गांधी केसी वेणुगोपाल के नाम के पक्ष में थे। हालांकि केरल कांग्रेस संगठन, सहयोगी दलों और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच वीडी सतीशन के नाम पर अधिक सहमति दिखाई दे रही थी। सतीशन को जनता के बीच मजबूत पकड़ रखने वाला नेता माना जाता है और यही बात अंततः उनके पक्ष में गई। जब मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी के भीतर मतभेद बढ़ने लगे तो कांग्रेस नेतृत्व ने वरिष्ठ नेता एके एंटनी से राय मांगी। सोनिया गांधी के भरोसेमंद माने जाने वाले एंटनी ने स्पष्ट रूप से कहा कि जमीनी स्तर पर वीडी सतीशन को ज्यादा समर्थन हासिल है। बताया जाता है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के बीच इस विषय पर चर्चा हुई, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व ने अपना फैसला बदल लिया। एंटनी की राय के बाद राहुल गांधी भी सतीशन के नाम पर सहमत हो गए।

एके एंटनी का कांग्रेस संगठन में प्रभाव लंबे समय से कायम है। यूपीए सरकार के दौरान वह रक्षा मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। केरल की राजनीति में भी उनका लंबा अनुभव रहा है और वह राज्य के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। 2004 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ओमान चांडी को राज्य की कमान सौंपी गई थी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि एंटनी की राय आज भी कांग्रेस नेतृत्व में बेहद अहम मानी जाती है। इसका उदाहरण 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद बनी ÷एके एंटनी कमेटी÷ भी रही, जिसने पार्टी की हार पर समीक्षा रिपोर्ट तैयार की थी। उस रिपोर्ट में कहा गया था कि कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टिकरण का आरोप लगा और इससे हिंदू मतदाताओं के बीच दूरी बनी। माना जाता है कि इसी रिपोर्ट के बाद कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव करते हुए सॉफ्ट हिंदुत्व की लाइन अपनाई थी।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

-दिल्ली की जेलों में अब जेल प्रशासन की मनमानी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा। यदि किसी पार्सल को सुरक्षा कारणों से अस्वीकार किया जाता है या उसमें देरी होती है, तो जेल अधीक्षक को इसका ठोस कारण लिखित में दर्ज करना होगा। अब मौखिक आदेशों पर पार्सल नहीं रोके जा सकेंगे। यदि पार्सल में कोई भी प्रतिबंधित वस्तु पाई जाती है, तो उसे तुरंत जब्त कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ड्रग्स के संदेह की स्थिति में पार्सल का अनिवार्य रूप से एक्सरे स्कैन कराया जाएगा। पारदर्शिता बढ़ाने के लिए प्रशासन ने आदेश दिया है कि पार्सल में आने वाली हर छोटी-बड़ी वस्तु का विवरण कैदी संपत्ति रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा।

असालतनगर में जीडीए का बड़ा एक्शन : 23 हजार वर्ग मीटर में कट रही अवैध कालोनी को किया ध्वस्त, भारी विरोध के बीच चला पीला पंजा

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कालोनियों के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जीडीए की प्रवर्तन टीम ने मुरादनगर के ग्राम असालतनगर में लगभग 23 हजार वर्ग मीटर (करीब 5.5 एकड़) भूमि पर काटी जा रही एक बड़ी अवैध कालोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कालोनाइजरों और उनके समर्थकों ने कार्रवाई का भारी विरोध किया, लेकिन पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

बिना नक्शे के हो रही थी प्लाटिंग

जीडीए उपाध्यक्ष के निर्देशों पर प्रभारी प्रवर्तन जोन-02 के नेतृत्व में टीम असालतनगर पहुंची थी। यहाँ खसरा संख्या-181 में अमित त्यागी पुत्र ज्ञानेश्वर त्यागी, विश्वजीत व सिद्धार्थ पुत्रगण देवदत्त त्यागी और सोमदत्त त्यागी पुत्र शौराज सिंह द्वारा बड़े पैमाने पर मिट्टी का भराव कर अवैध प्लाटिंग

का काम किया जा रहा था। जब प्राधिकरण की टीम ने उनसे कालोनी का स्वीकृत ले-आउट या मानचित्र (मैप) मांगा, तो वे कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

साइट ऑफिस और सड़कें कीं जमींदोज

अवैध घोषित होने के बाद जीडीए के दस्ते ने बिना वक्त गंवाए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। बुलडोजर की मदद से कालोनाइजर द्वारा बनाई गई पक्की सड़कें, भूखंडों की बाउंड्रीवॉल और मौके पर बने साइट ऑफिस को ढहा दिया गया।

भारी विरोध के बावजूद झुका प्रशासन

कार्रवाई शुरू होते ही कालोनाइजर और स्थानीय लोगों ने टीम को घेरकर भारी विरोध प्रदर्शन किया और काम रोकने का प्रयास किया। माहौल गरमाता देख प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते और साथ मौजूद पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और सख्त रुख अपनाते हुए विरोध को शांत कराया, जिसके बाद पूरी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

मौके पर तैनात रहा भारी अमला

इस बड़ी कार्रवाई के दौरान मौके पर जीडीए के सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-02 के सभी स्टाफ सदस्य, प्राधिकरण का विशेष पुलिस बल और भारी संख्या में प्रवर्तन दस्ते के जवान तैनात रहे ताकि कानून व्यवस्था न बिगड़े। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में अवैध प्लाटिंग नहीं होने दी जाएगी और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण से प्रभावित दुकानदारों ने तहसील में किया प्रदर्शन

मोदीनगर (शिखर समाचार)। राज चौराहा हापुड़ रेलवे फाटक पर निमार्णाधीन रेलवे ओवरब्रिज से प्रभावित दुकानदारों ने शुक्रवार को तहसील मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और प्रशासन से पुनर्वास की मांग उठाई। दुकानदारों का कहना है कि ओवरब्रिज निर्माण के चलते उनकी दुकानें हटाई जाएंगी, जिससे उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। बताया गया कि हापुड़ रोड रेलवे फाटक पर इन दिनों रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इस परियोजना के कारण बड़ी संख्या में दुकानें प्रभावित हो रही हैं। प्रदर्शन कर रहे दुकानदारों ने कहा कि उनमें से कई लोग पिछले करीब 40 वर्षों से यहां व्यापार कर रहे हैं। अधिकांश दुकानें किराए पर होने के कारण मुआवजा केवल भवन स्वामियों को मिलेगा, जबकि किरायेदार दुकानदारों को कोई राहत नहीं मिलेगी। दुकानदारों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य शुरू होने के समय उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि प्रभावित व्यापारियों को प्राथमिकता के आधार पर दूसरी जगह दुकानें उपलब्ध कराई जाएंगी, लेकिन अब इस संबंध में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी मांग को लेकर दुकानदारों ने उप जिलाधिकारी अजीत कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपकर वैकल्पिक दुकानें उपलब्ध कराने की मांग की। उप जिलाधिकारी ने प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों को समस्या के समाधान के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। वहीं विनोद वैशाली ने कहा कि पालिका की ओर से किसी भी दुकानदार को दुकान देने का कोई वादा नहीं किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि दुकान आवंटन होगा तो वह नियमानुसार ही किया जाएगा।

नगर निगम ने कि स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन की शुरूआत, गाजियाबाद के लोगों को मिलेगा लाभ

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। नगर निगम सीमा अंतर्गत कचरा निस्तारण हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा बेहतर कार्यवाही की जा रही है। सभी जोन में स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन लगाए गए है। कवि नगर जोन अंतर्गत गोविंदपुरम, विजयनगर जोन अंतर्गत अकबरपुर बहरामपुर, मोहन नगर जोन अंतर्गत राजेंद्र नगर, वसुंधरा जोन अंतर्गत साहिबाबाद साइट 4 में आधुनिक उपकरणों के साथ कचरे के निस्तारण की कार्यवाही की जा रही है। महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा सिटी जोन अंतर्गत रेत मंडी हिंडन विहार में स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन का शुभारंभ किया गया है। मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार व स्वास्थ्य विभाग की अन्य टीम उपस्थित रही। महापौर द्वारा शहर के कचरा निस्तारण हेतु लगाए गए स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन पर सिटी जोन के निवासियों को शुभकामनाएं दी गई। उन्होंने बताया कि सिटी जोन से निकलने वाले कचरे को बड़ी मात्रा

में कचरा प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुंचने में ट्रांसफर स्टेशन से सहयोग मिलेगा। शहर की छोटी गलियों से लेकर मुख्य मार्ग से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग करते हुए कंपैक्टर बीन के माध्यम से प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुंचाया जाएगा। 250 से अधिक कैपेसिटी का स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन की शुरूआत आज की गई है, जो की शहर के निवासियों को समर्पित रहेगा। नगर आयुक्त द्वारा नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश तथा स्वास्थ्य विभाग टीम को मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश दिए साथ ही बताया गया कि सिटी जोन में ट्रांसफर स्टेशन नहीं था, जिसको अत्य आधुनिक उपकरणों के साथ शुरू कराया गया है। गीले कचरे और सूखे कचरे को बड़ी मात्रा में प्रतिदिन प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। 8 कैप्सूल के माध्यम से शहर के कचरे को प्रोसेसिंग यूनिट तक पहुंचाया जाएगा, जिस शहर वासियों को सीधा लाभ मिलेगा सिटी जोन के सभी वार्डो से कचरा एकत्र होकर सीधा प्रोसेसिंग यूनिट पर पहुंचेगा। मौके पर उपस्थित नेचर ग्रीन के निदेशक शिवम गोयल को प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा कार्य में निपुणता बनाए रखने के निर्देश दिए।

मेडिकल मार्केट में अवैध कब्जे पर चला बुलडोजर, नगर पालिका ने ताले तुड़वाकर खुलवाया सरकारी रास्ता

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के जवाहरगंज स्थित मेडिकल मार्केट में सार्वजनिक रास्ते पर अवैध कब्जे के मामले में शुक्रवार को नगर पालिका और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रास्ते को कब्जामुक्त कराया। टीम ने मौके पर पहुंचकर शटर और ताले तुड़वाकर बंद गैलरी को खुलवाया। जानकारी के अनुसार मेडिकल मार्केट के दुकानदारों ने दवा व्यापारी एवं कैलाश फार्मा के संचालक हेमंत साहनी उर्फ बॉबी पर सार्वजनिक गैलरी को निजी संपत्ति बताकर उस पर ताला लगाकर कब्जा करने का आरोप लगाया था। इस संबंध में व्यापारियों ने डीएम और एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद नगर पालिका के ईओ संजय मिश्रा के निर्देश पर शुक्रवार को रेवेन्यू इंस्पेक्टर सुनील कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान नायब तहसीलदार और पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

प्रशासनिक टीम ने कार्रवाई करते हुए हथौड़े से शटर और ताले तुड़वाए तथा सार्वजनिक रास्ते को कब्जामुक्त कराया। रास्ता खुलने के बाद मेडिकल मार्केट के दुकानदारों ने खुशी जताई और प्रशासन की कार्रवाई की सराहना की।

गंगा नहर पटरी मार्ग किनारे कूड़े में मिली सरकारी दवाइयां, जांच शुरू

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। गंगा नहर पटरी मार्ग किनारे कूड़े के ढेर में सरकारी दवाइयां मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। सुबह टहलने निकले लोगों ने कूड़े के बीच बड़ी मात्रा में दवाइयां पड़ी देखीं। इनमें कुछ दवाइयां एक्सपायर हो चुकी थीं, जबकि कई दवाइयों की वैधता अभी बाकी थी। दवाइयों पर सरकारी मोहर भी लगी हुई थी।

मामले की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया। सतीश कुमार मौके पर पहुंचे और वहां पड़ी दवाइयों को एकत्र कर सील कराया। उन्होंने मामले की जांच के आदेश देते हुए कहा कि यह गंभीर लापरवाही है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि बरामद दवाइयों को सुरक्षित कब्जे में ले लिया गया है। प्रारंभिक जांच में कुछ दवाइयां एक्सपायर मिली हैं, जबकि कुछ अभी उपयोग योग्य हैं। जांच के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा कि दवाइयां कहां से आईं और किसने उन्हें वहां फेंका। स्थानीय लोगों ने दवाइयों की खरीद, वितरण और स्टॉक रजिस्टर की भी जांच कराने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि सरकारी दवाइयों का इस तरह कूड़े में मिलना स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा हुआ है।

गढ़ कोतवाली में जीर्णोद्धार के बाद विभिन्न डेस्कों का उद्घाटन, एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानेंजय सिंह शुक्रवार को थाना गढ़मुक्तेश्वर पहुंचे, जहां उन्होंने थाना परिसर में जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के बाद तैयार किए गए सीसीटीएनएस एवं विवेचना कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क तथा भोजनालय का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस दौरान एसपी ने थाना परिसर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने थाना गढ़मुक्तेश्वर में तैनात रिक्रूट आरक्षियों के साथ भोजन भी किया तथा उन्हें व्यवहारिक प्रशिक्षण, अनुशासन और आमजन के प्रति बेहतर व्यवहार बनाए रखने के संबंध में जानकारी दी।

इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों एवं ग्राम चौकीदारों के साथ बैठक कर क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर चर्चा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह, कोतवाली प्रभारी देवेंद्र सिंह बिष्ट, संजीव त्यागी, मदहत अली मुखिया, नोजर प्रधान सहित क्षेत्र के कई सम्मानित लोग मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन, एफआईआर की मांग

हापुड़ (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता द्वारा ब्राह्मण समाज पर कथित अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन किसान राज, गौ रक्षा महासंघ और ब्राह्मण समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी प्रवक्ता के पोस्टर पर जूते मारकर विरोध जताया और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन का नेतृत्व गौ रक्षा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यतेंद्र शर्मा ने किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की। यतेंद्र शर्मा ने बताया कि इस मामले में दो दिन पूर्व थाना हापुड़ देहात में तहरीर दी जा चुकी है, लेकिन अब तक पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन के बाद समाज के लोगों ने एसडीएम सदर हापुड़ को एसपी के नाम ज्ञापन

सौंपा। ज्ञापन में समाजवादी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता राजकुमार भाटी के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि 24 घंटे के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो थाना हापुड़ देहात का घेराव कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी।

इस दौरान हेमंत मिश्रा, सुशील शास्त्री, एडवोकेट अंकुर शर्मा, आदित्य सनक, कविता शर्मा, विक्की शर्मा, एडवोकेट अमित शर्मा और एडवोकेट दीपक शर्मा समेत अनेक लोग मौजूद रहे।

लेखपाल भर्ती परीक्षा की तैयारियों की एडीएम प्रशासन ने समीक्षा

बिजनौर (शिखर समाचार)

अंशिका दीक्षित की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी लेखपाल भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और नकल विहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

एडीएम प्रशासन ने बताया कि जनपद में लेखपाल भर्ती परीक्षा के लिए कुल 12 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिन पर 5232 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा कार्य में लगाए गए सभी कार्मिकों के परिचय पत्र समय से जारी किए जाएं तथा बिना परिचय पत्र किसी भी कर्मचारी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश न दिया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था फैलाने अथवा अनुचित साधनों का प्रयोग करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही स्वास्थ्य विभाग को सभी परीक्षा केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

एडीएम ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि सभी केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम रहें। पुलिस विभाग को परीक्षा के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जयकरण यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जीजा ने ससुराल की जमीन हड़पने के लालच में रची साले की हत्या की साजिश, दो आरोपी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए मृतक शिवकुमार की हत्या में शामिल उसके जीजा समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। गढ़ क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने बताया कि 12 मई को थाना सिंभावली क्षेत्र में नहर के पास नाले के किनारे एक युवक का शव उसकी मोटरसाइकिल के साथ पड़ा मिला था। मृतक की पहचान शिवकुमार पुत्र कैलाश निवासी ग्राम करोंजी, जहांगीराबाद, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई थी। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान सामने आया कि मृतक के जीजा विनय नागर ने ससुराल की करीब 16 बीघा जमीन, जो गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित है, हड़पने के लालच में अपने साथी उदयवीर उर्फ उदेश गुर्जर के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। दोनों आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से गमछे से गला दबाकर शिवकुमार की हत्या कर शव को नाले किनारे फेंक दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विनय कुमार नागर पुत्र सुरेंद्र नागर तथा उदयवीर उर्फ उदेश गुर्जर निवासी ग्राम गोहरा आलमगीरपुर, थाना बाबूगढ़, जनपद हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से एक अवैध पिस्टल .32 बोर, दो जिंदा कारतूस, एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी पुलिस ने कब्जे में ले ली है। आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी सुरेश कुमार, उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, यशपाल सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

अनियंत्रित होकर कार पलटी, दो की मौत, दो गंभीर घायल

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के ग्राम देहरा में शुक्रवार को तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज मेरठ रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कार सवार युवक देहरा कुटी से बैट की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार ग्राम देहरा स्थित अंबेडकर भवन के सामने मोड़ पर पहुंची, तेज गति होने के कारण चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और कार पलट गई। हादसे में कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही बहादुरगढ़ थाना प्रभारी इंद्रकांत यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल घायलों को सरकारी वाहन, निजी गाड़ी और एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढ़मुक्तेश्वर पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज मेरठ रेफर कर दिया गया। मृतकों की पहचान विसांत त्यागी पुत्र राजेंद्र निवासी मेरठ तथा मिथुन पुत्र कमल निवासी ग्राम अल्लीपुर नानई थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। वहीं घायल ललित पुत्र अशोक और रवि पुत्र वीरेंद्र निवासी ग्राम हाजीपुर थाना स्याना जनपद बुलंदशहर बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

हापुड़ में 17 से 23 मई तक होगा भव्य श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ

हापुड़ (शिखर समाचार)। दिव्य ज्योति जागृति संस्थान की गाजियाबाद शाखा के तत्वावधान में 17 मई से 23 मई 2026 तक भव्य श्री राम कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। संस्थान के अनुसार यह पावन कथा संस्थापक दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित होगी। प्रेस वार्ता में साध्वी हेमा भारती जी और साध्वी श्वेता भारती जी ने बताया कि कथा का मूल आधार ब्रह्मज्ञान है। पूर्ण गुरु से प्राप्त ब्रह्मज्ञान व्यक्ति के अंतर्मन को जागृत करने के साथ समाज निर्माण की सुदृढ़ नींव भी स्थापित करता है। उन्होंने बताया कि कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक अर्जुन नगर के सामने वाले ग्राउंड, कांति प्रसाद धर्मशाला के पास, स्वर्ग आश्रम रोड, हापुड़ में आयोजित होगी। कथा व्यास डॉ. सर्वेश्वर जी सुप्रसिद्ध संगीतज्ञों के साथ श्री राम कथा का वाचन करेंगे। कार्यक्रम में दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी के ब्रह्मज्ञानी शिष्य एवं शिष्याएं भी उपस्थित रहेंगे। कथा से एक दिन पूर्व 16 मई शनिवार सुबह 9 बजे गोपाल वाटिका, फ्री गंज रोड से भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कथा स्थल तक पहुंचेगी। आयोजकों ने बताया कि यह कथा संस्थान के नशा उन्मूलन अभियान ह्रबोधह्व को समर्पित है। इसका उद्देश्य समाज को नशे के अभिशाप से मुक्त करना तथा युवा शक्ति को सकारात्मक दिशा प्रदान करना है। संस्थान ने क्षेत्रवासियों से अधिक संख्या में पहुंचकर आध्यात्मिक आयोजन का लाभ लेने की अपील की है।

गाजियाबाद नगर निगम
(I.S.O. 14001, 18001 एवं 19001 प्रमाणित संस्था)

पत्रांक/47/पशु कल्याण विभाग/2026–27 दिनांक–15.05.2026

ई–निविदा सूचना

गाजियाबाद नगर निगम सीमान्तर्गत मृत पशु शव निस्तारण केन्द्र/मुर्दा मवेशी निस्तारण कराये जाने के कार्य हेतु संचालित कारकस प्लान्ट का संचालन कार्य एवं अन्य कार्यों की ई–निविदा दिनांक 16.05.2026 से दिनांक 01.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है तथा निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई–प्रिक्योरमेन्ट की वेबसाइड **http://etender.up.nic.in** से प्राप्त किया जा सकता है, जिसे दिनांक 01.06.2026 की मध्यान्हः 02:00 तक वेबसाईट से डाउनलोड कर अपलोड करना आवश्यक होगा। प्राप्त निविदा को दिनांक 01.06.2026 की अपरान्हः 03:00 बजे खोला जायेगा। प्रत्येक निविदा हेतु उसके सम्मुख अंकित धरोहर की धनराशि एवं निविदा शुल्क (Tender Fees Non Refundable) वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर जमा करना अनिवार्य होगा तथा सफल निविदादाता द्वारा अनुबन्ध के समय शेष प्रतिशत की, धनराशि अनुबन्ध कराते समय एफ.डी.आर. के रूप में कार्यालय में जमा करानी होगी, जोकि लेखाधिकारी, गाजियाबाद नगर निगम के नाम पर बन्धक होगी। निविदा में प्रतिभागी फर्म योग्य होने पर वित्तीय निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जायेगी। यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश रहता है, तो निविदा आगामी कार्य दिवस में खोली जायेगी।

विस्तृत शेष नियम व शर्ते एवं सूचना वेबसाईट **http://etender.up.nic.in** पर देखी जा सकती है।

उ०मु० प०चि० एवं कल्याण अधिकारी
गाजियाबाद नगर निगम

संक्षिप्त समाचार

सूखे अमृत सरोवरों की प्यास बुझाने का शुरू हुआ प्रयास

लखनऊ, एजेंसी। जिले में कितने अमृत सरोवर सूखे हैं, इसका पता लगाने की कवायद शुरू हुई है। डीसी मनेरगा ने सभी ब्लॉकों से इसकी सूचना मांगी है। सर्वे रिपोर्ट आने पर सूखे तालाबों को भरवाया जाएगा। अमृत सरोवर को कैसे भरा जाए, इस बारे में भी पूछा गया है। भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल है। पशु-पक्षी और छुट्टा जानवर भी परेशान हैं। गांवों के तालाबों में पानी न होने से बेजुबानों की प्यास नहीं बुझ पा रही है। अमृत सरोवर भी सूखे हैं। मनरेगा के जिम्मेदारों को अब इन अमृत सरोवरों की सुध आई है। जिले में 203 अमृत सरोवर हैं। कितने अमृत सरोवर सूखे और किन सरोवर में पानी है, इसका सर्वे शुरू कराया गया है। डीसी मनरेगा सुशील कुमार सिंह ने बताया कि अमृत सरोवरों में पानी की स्थिति का पता लगाने के लिए सभी ब्लॉकों को निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही सूखे अमृत सरोवर में पानी किस माध्यम से भरवाया जाए, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। इसमें नहर, राजकीय नलकूप और निजी नलकूप का विकल्प शामिल है। दो से तीन दिन में रिपोर्ट आने पर सूखे अमृत सरोवरों को भरवाया जाएगा।

कामकाजी महिलाओं का सुरक्षा कवच है शी-बॉक्स

लखनऊ, एजेंसी। कामकाजी महिलाओं के लिए शी-बॉक्स सुरक्षा कवच है। यह यौन उत्पीड़न की शिकायतों को दर्ज करने के लिए एक डिजिटल शिकायत पेटी है। इसमें यदि किसी कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समिति नहीं है या पीड़िता को अपनी संस्था में शिकायत करने में परेशानी हो रही है, तो वह सीधे इस पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है। इससे शिकायत संबंधित विभाग या संस्थान की आंतरिक समिति के पास पहुंच जाती है। मंत्रालय खुद निगरानी करता है, जिससे संस्थान शिकायत को नजरअंदाज नहीं कर पाते। कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न विषय पर आधारित कार्यक्रम में नीलू त्रिवेदी ने महिलाओं को जागरूक किया। कहा कि विशाखा समिति हर कदम पर महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने महिलाओं को विषम परिस्थिति में विभागीय समितियों और हेल्पलाइन नंबरों की मदद लेने की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं और छात्राओं ने स्वावलंबी बनने और अपने अधिकारों की रक्षा करने की शपथ ली। कार्यक्रम में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति का विशेष योगदान रहा।

मानव व वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को कम करने पर हो काम

लखनऊ, एजेंसी। अवध वन प्रभाग की ओर से बुधवार को कुकरैल रेंज में मानव-वन्यजीव सह अस्तित्व विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रभागीय वनाधिकारी सितांशु पांडेय ने बताया कि इस दौरान मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने, उनके संतुलित सह अस्तित्व को बढ़ावा देने और वन्यजीव सुरक्षा के प्रति वन विभाग के कर्मचारियों को अधिक संवेदनशील व दक्ष बनाने पर जोर दिया गया। लखनऊ चिड़ियाघर के निदेशक संजय बिस्वाल, वर्ल्ड वाइड फंड के विशेषज्ञ हसन दबीर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को वन्यजीव संरक्षण, संघर्ष की रोकथाम और आधुनिक रेस्क्यू प्रबंधन की बारीकियों से अवगत कराया। प्रशिक्षण की खास बात वन्यजीव रेस्क्यू का व्यावहारिक प्रदर्शन रहा। अधिकारियों ने वन्यजीवों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और पर्यावरण संरक्षण में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर मौत का तांडव, ट्रक में जा घुसी स्कार्पियो, एक ही परिवार के चार की मौत

कानपुर, एजेंसी। बांदा जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें एक स्कॉर्पियो गैस सिलिंडर लदे ट्रक से जा भिड़ी। हादसे में स्कॉर्पियो के चालक सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक 20 वर्षीय युवती गंभीर रूप से घायल हो गई।उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद युवती को कानपुर रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि सभी मृतक और घायल आजमगढ़ के रामगढ़ के रहने वाले एक ही परिवार के सदस्य हैं, जो कबरई जा रहे थे।बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक सड़क हादसे की सूचना पर जिलाधिकारी अमित आसेरी ने घटनास्थल का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर एक स्कार्पियो और ट्रक की भिड़ंत हुई है। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है।

बरेली में दो दिन नो व्हीकल डे

डीएम पैदल दफ्तर जाएंगे, समाधान दिवस में ई-बस से पहुंचेंगे अफसर

बरेली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर बरेली के जनप्रतिनिधियों व अफसरों ने स्कॉर्ट में लगे वाहनों को हटा दिया है। डीएम ने सोमवार और शनिवार को नो-व्हीकल डे घोषित किया है। यानी अफसर दोनों दिन अपने वाहन का प्रयोग नहीं करेंगे। समाधान दिवस में जाने के लिए सभी जिलास्तरीय अधिकारी ई-बस का इस्तेमाल करेंगे।

पश्चिम एशिया संकट को देखते हुए रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल, सोने और खाद्यान्न की खपत घटाने की अपील की थी। सोमवार को प्रधानमंत्री ने फिर इस अपील को दोहराया। इसका असर यह रहा कि बुधवार को जिलाधिकारी ने अपने स्कॉर्ट के दोनों वाहनों को हटा दिया। रोजाना आवास से कार्यालय पैदल आने का फैसला लिया। तय किया कि सप्ताह में दो दिन सोमवार और शनिवार को नो-व्हीकल डे मनाया जाएगा।

इस दिन अधिकारी सरकारी और निजी वाहन का इस्तेमाल नहीं करेंगे। कार्यालय या तो पैदल आएंगे या साइकिल का इस्तेमाल करेंगे। समाधान दिवस के दिन सभी अधिकारी एक ही ई-बस में संबंधित तहसील जाएंगे और वहां से उसी बस से लौटेंगे। तहसील व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की बैठक ऑनलाइन होगी। इससे डीजल की खपत कम होगी।

अब स्कॉर्ट में एक ही गाड़ी

शहर विधायक व राज्यमंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि उनके स्कॉर्ट में दो गाड़ियां थीं, अब एक को हटा दिया है। अब पुलिस की एक ही गाड़ी साथ चलेगी। भागदौड़ कम करने के लिए ऑनलाइन मीटिंग को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्कॉर्ट को हटा दिया

कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने कहा कि उनके स्कॉर्ट में एक वाहन था, जिसे हटा दिया है। अब वह अपने निजी वाहन से ही आवश्यक कार्य होने पर जाएंगे। लखनऊ में होने वाली बैठकें ऑनलाइन होंगी।

आवश्यक कार्य के लिए करेंगे वाहन का प्रयोग : सांसद

बरेली सांसद छत्रपाल गंगवार ने कहा कि वह पहले से ही एक वाहन से चल रहे हैं। प्रधानमंत्री की अपील को जनआंदोलन बनाने के लिए वह बेहद जरूरी काम के लिए वाहन का इस्तेमाल करेंगे।

50 स्कूलों ने 2012 बच्चों को नहीं दिया प्रवेश, डीएम ने लगाई फटकार, सात दिन का दिया समय

आगरा, एजेंसी। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत गरीब बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने का सपना कागजी दांव-पेच में फंस गया है। रसूखदार स्कूल पात्रता जांचने के नाम पर न सिर्फ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं, बल्कि मासूमों को गेट से ही लौटा रहे हैं। आरटीई के तहत चयन के बावजूद 50 स्कूलों ने 2012 बच्चों को दाखिला नहीं दिया।

बुधवार को कलेक्ट्रेट में हुई समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी मनीष बंसल स्कूलों की मनमानी पर भड़क उठे। दाखिला नहीं देने वाले 50 बड़े स्कूलों की कुंडली सामने आई है। बैठक में पेश की गई इस सूची ने निजी स्कूलों की संवेदनहीनता की पोल खोल दी। कई नामी स्कूलों ने एक भी बच्चे को प्रवेश नहीं दिया।

डीएम ने कहा कि क्या ये सभी बच्चे अपात्र हैं या आपके इरादे ही नेक नहीं हैं। स्कूलों ने अधूरे कागजात और अपात्र होने के बहाने बनाए। डीएम ने कहा कि जांच करना आपका काम नहीं, आप सिर्फ प्रवेश लें। डीएम ने फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि पात्रता की जांच करना स्कूल का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि लॉटरी में आवंटित बच्चे को प्रवेश देना अनिवार्य है। संदेह होने पर अभिभावक से अंडरटेकिंग लें और प्रशासन को सूचित करें। यदि गेट से किसी बच्चे को भगाने की शिकायत मिली तो स्कूल प्रबंधन सीधे कार्रवाई के लिए तैयार रहे।

जिले में कुल 8,112 आवंटन के सापेक्ष अब तक मात्र 6100 दाखिले ही हो सके हैं, यानी करीब 25 प्रतिशत गरीब बच्चे अब भी स्कूलों की दहलीज पार करने को तरस रहे हैं। डीएम ने बीएसए को निर्देशित किया कि जो स्कूल सहयोग न करें, उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाए। बैठक में पता चला कि बिना अपनी बस वाले स्कूल निजी वाहनों के चालकों का सत्यापन और फिटनेस कराने से बच रहे हैं। डीएम ने एआरटीओ को ऐसे स्कूलों पर नकेल कसने के निर्देश दिए हैं। एक सप्ताह का समय देते हुए स्कूल प्रबंधनों से कहा कि बहानेबाजी बंद करें और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करें, वरना सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में सीडीओ प्रतिभा सिंह, बीएसए जितेंद्र कुमार गोंड और एआरटीओ आलोक अग्रवाल मौजूद रहे।

नगीना में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए 15 दिवसीय विशेष मेगा कैंप शुरू

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। स्थानीय बिजली दफ्तर में स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए 15 दिवसीय विशेष मेगा कैंप की शुरूआत की गई। शिविर का शुभारंभ विद्युत वितरण खंड नगीना के अधिशासी अभियंता पुष्पेश कुमार ने किया।

अधिशासी अभियंता पुष्पेश कुमार ने बताया कि पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम के निर्देश पर आयोजित यह विशेष मेगा कैंप 30 मई तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित किया जाएगा। कैंप का उद्देश्य स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को एक ही स्थान पर सभी आवश्यक सेवाएं और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि कैंप में स्मार्ट मीटर से संबंधित तकनीकी समस्याओं और शिकायतों का मौके पर समाधान किया जाएगा। इसके अलावा गलत बिजली बिलों में सुधार तथा बिल रिवीजन की सुविधा भी उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी।

अधिशासी अभियंता पुष्पेश कुमार ने क्षेत्र के सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कैंप में पहुंचकर विभाग द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएं।

कम नंबर आए तो निराश न हों, मुझे अकेला छोड़ दो कहे बच्चा तो तुरंत हो जाएं अलर्ट

आगरा, एजेंसी। योग्यता का पैमाना सिर्फ अंक नहीं है। मनमाफिक प्रतिशत न पाने वाले भी सफलता का शिखर छूते रहे हैं। ऐसे में आपके सहपाठी या मित्र से कम अंक आए हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं है। इससे भविष्य की तैयारियां प्रभावित होने लगती हैं। जहां कमी रह गई उसे दूर कर सपने पूरे करने में लग जाएं।

परिणाम के बाद छात्र-छात्राओं के व्यवहार में बदलाव होने, भूख न लगने और उदास रहने पर मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के टेलीमानस टोल फ्री नंबर (14416) पर सहायता ली जा सकती है। यहां 24 घंटे विशेषज्ञ बैठते हैं जो किसी भी मानसिक परेशानी पर काउंसलिंग करते हैं।

मुझे अकेला छोड़ दो...कहने पर हो जाएं अलर्ट

मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक डॉ. दिनेश राठौर ने बताया कि ज्यादा अंक सफलता की गारंटी नहीं है। अब हर जगह प्रवेश परीक्षा होने लगी है। अगर फिर भी कोई बच्चा उदास है, निराशा के भाव हैं और कहता है कि मुझसे बात मत करो, मुझे अकेला छोड़ दो। चिडचिड़ापन, भोजन न करने जैसे लक्षण हैं तो उसे नजरअंदाज न करें और उसे अकेला नहीं छोड़े। विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श जरूर कर लें।

प्लान-बी बनाकर लोगों ने पाई है सफलता : पूर्व सचिव आगरा साइकेट्री सोसाइटी डॉ. सागर लवानियां का कहना है कि बच्चों के बंपर नंबर मिल रहे हैं। कई ऐसे हैं, जिनको मनमाफिक या फिर अपने साथी के मुकाबले कम नंबर रह गए हैं। ऐसे में निराश होने का मतलब ही नहीं बनता। अब नंबर ही एकमात्र मेधावी होने का विकल्प नहीं हैं। कई ऐसे भी हैं जो हमेशा प्लान-बी लेकर चलते हैं। ऐसे कई छात्र-छात्राएं हैं जिन्होंने प्लान-बी बनाकर तैयारियां की और बेहतर मुकाम हासिल किया।

दूसरों के बच्चों से तुलना कर न दें ताना : एसएन मेडिकल कॉलेज विभागाध्यक्ष मानसिक रोग डॉ. विशाल सिन्हा ने बताया कि अक्सर परिजन दूसरे बच्चे के अंकों से तुलना कर ताने मारते हैं। ऐसा न करें, इससे बच्चा तनाव-अवसाद में आ सकता है। मनमाफिक अंक नहीं आने पर बच्चों के साथ समय बिताएं और उसकी सुनें। सामान्य माहौल होने पर बच्चे को समझाएं और उसे आगे और बेहतर करने के लिए प्रेरित करें। उसे बताएं कि अभी और मौके हैं, निराश होने से नुकसान ही होगा।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में 10 किलोवाट सोलर पावर प्लांट का लोकार्पण

शामली। (शिखर समाचार) नगर पालिका स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में शुक्रवार को विधायक निधि से स्थापित 10 किलोवाट ऑन-ग्रिड सोलर पावर प्लांट का लोकार्पण विधायक प्रसन्न चौधरी ने किया। जानकारी के अनुसार गुरुद्वारा प्रबंध समिति और पंजाबी समाज के लोगों ने कुछ समय पूर्व विधायक से सोलर पावर प्लांट लगवाने की मांग की थी। मांग को स्वीकार करते हुए विधायक ने प्लांट स्थापित कराने का आश्वासन दिया था। अब कार्य पूर्ण होने पर विधिवत लोकार्पण किया गया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंध समिति एवं पंजाबी समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में अर्जुन सिंह प्रधान, राजेंद्र सिंह, जगजीत सिंह, मंजीत सिंह, सतनाम सिंह, डॉ. हरदीप सिंह, जसविंदर सिंह, संतोख सिंह, जीत सिंह और पुष्पेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डूब क्षेत्र में फंसी ग्रेटर आगरा योजना! 23 हेक्टेयर में नहीं होगा निर्माण, एडीए बदलेगा लेआउट

आगरा, एजेंसी। यमुना के डूब क्षेत्र में आने से ग्रेटर आगरा आवासीय योजना का 23 हेक्टेयर हिस्सा निर्माण से बाहर हो गया है। एडीए अब इस क्षेत्र को ग्रीन बेल्ट और वॉटर बॉडी के रूप में विकसित करने की तैयारी कर रहा है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश पर सैटेलाइट के जरिए तय किए गए यमुना के डूब क्षेत्र में ग्रेटर आगरा का बड़ा हिस्सा आने के बाद अब आगरा विकास प्राधिकरण (एडीए) लीपापोती में जुट गया है। एडीए उपाध्यक्ष एम अरूनमोली का कहना है कि प्रभावित क्षेत्र में कोई भी कंक्रीट का निर्माण नहीं होगा, बल्कि पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए यहां आकर्षक वॉटर बॉडीज (जलाशय) और हरित पट्टिका (ग्रीन बेल्ट) विकसित की जाएगी।

यमुना के डूब क्षेत्र को लेकर एनजीटी सख्त है। इसी क्रम में असगरपुर से लेकर प्रयागराज तक सैटेलाइट के माध्यम से यमुना के डूब क्षेत्र के कोऑर्डिनेट्स तय किए गए थे। इन्हीं कोऑर्डिनेट्स के आधार पर इनर रिंग रोड स्थित ग्राम रायपुर और रहनकलां में विकसित हो रहे ग्रेटर आगरा का 23 हेक्टेयर क्षेत्र डूब क्षेत्र की जद में आ गया है।

एडीए उपाध्यक्ष ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि योजना के लेआउट में बदलाव कर प्रभावित 23 हेक्टेयर क्षेत्र को पूरी तरह से इको-फ्रेंडली रखा जाएगा। यहां निर्माण कार्य नहीं होंगे। इसके अलावा प्रदूषण व अन्य पर्यावरण मंजूरियां भी नहीं ली गई हैं। उपाध्यक्ष का कहना है कि विभिन्न विभागों से मंजूरियों के लिए आवेदन किए जा चुके हैं।

विधायक ने मांगी हाजिरी माफी, जेल अधीक्षक के बरी होने पर कोर्ट में बहस

कानपुर, एजेंसी। चित्रकूट जेल में मऊ से विधायक अब्बास अंसारी और उनकी पत्नी निकहत के नियम विरुद्ध मुलाकात के मामले में निलंबित जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर के डिस्चार्ज (मामले से बरी होने) के प्रार्थना पत्र पर भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में तीखी बहस हुई। दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के बीच चली बहस पूरी न होने के कारण अब सुनवाई 23 मई को होगी।

इस बीच अब्बास अंसारी और निकहत ने अदालत में हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र भी दिया है। मामला 10 फरवरी 2023 को तब सामने आया था जब चित्रकूट जेल में डीएम और एसपी ने छापा मारा था। इस दौरान मऊ विधायक अब्बास अंसारी की पत्नी निकहत को जेल अधीक्षक के कमरे में पाया गया था, जो कि पूरी तरह से नियम विरुद्ध था।

आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी : तलाशी के दौरान निकहत जेल अधीक्षक के कमरे से लगभग 10 घंटे बाद मिलीं। घटना ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मामले में अब्बास अंसारी, उनकी पत्नी निकहत, चालक ललक नियाज, जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर, जेलर संतोष कुमार, डिप्टी जेलर चंद्रकला, जेल कैंटीन संचालक नवनीत सचान और सपा जिलाध्यक्ष फराज खान सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ कर्वी कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जेल अधिकारियों को पैसा और उपहार मिलते थे

इसके बाद में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच में यह बात सामने आई कि जेल में अब्बास से पत्नी को मिलवाने के एवज में जेल अधिकारियों को पैसा और उपहार मिलते थे। इस खुलासे के बाद सभी आरोपी जेल भेजे गए थे। यह मामला मूल रूप से भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट लखनऊ में चल रहा था, लेकिन अब अब्बास से संबंधित मामले को बांदा की भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया है।

जेल अधीक्षक और जेलर चल रहे हैं निलंबित

सभी आरोपी जमानत पर बाहर हैं, जबकि जेल अधीक्षक और जेलर निलंबित चल रहे हैं। वहीं, बुधवार को बांदा की अदालत में जेल अधीक्षक संतोष कुमार सागर के अधिवक्ता ने कोर्ट में डिस्चार्ज प्रार्थना पत्र दायर किया। इस पर आरोपी पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि उनके मुवक्किल पर कोई आरोप नहीं बनता है और उन्हें फर्जी तरीके से फंसाया गया है।

जेल अधीक्षक को मामले से बरी किया जाएगा या नहीं

अपर लोक अभियोजक और शासकीय अधिवक्ता ने विरोध करते हुए कहा कि चार्जशीट न्यायालय में पेश हो चुकी है और उसमें आरोपों से संबंधित पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। अब 23 मई को डिस्चार्ज के बारे में अंतिम बहस होगी, जिसके बाद यह तय किया जाएगा कि जेल अधीक्षक को मामले से बरी किया जाएगा या नहीं।

एक युवती गंभीर रूप से घायल

प्रशासन द्वारा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना में एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर किया गया है। प्रशासन पीड़ित परिवार के संपर्क में है और नियमानुसार हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाएगी।

सेंट आर सी कॉन्वेंट स्कूल में विद्यार्थियों ने सीखी तकनीकी शिक्षा की बारीकियां

शामली (शिखर समाचार)। सेंट आर सी कॉन्वेंट स्कूल में आयोजित तकनीकी कार्यशाला के दूसरे दिन विद्यार्थियों को विज्ञान, गणित और तकनीकी शिक्षा से जुड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में बच्चों ने विभिन्न मॉडल तैयार कर विषयों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। मुख्य अतिथि अरविंद संगल ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा प्रत्येक विद्यार्थी के लिए जरूरी है और नई शिक्षा नीति भी प्रयोगात्मक शिक्षा पर जोर देती है। फाउंडेशन ऑफ इंडिया की इंजीनियर टीम ने बच्चों को पौधों की संरचना, जड़ी, झाड़ी, लता और बेलदार पौधों के बारे में सरल तरीके से समझाया। विद्यार्थियों से फोम शीट, फूल कागज और प्लास्टिक पाइप की सहायता से मॉडल तैयार कराए गए। कक्षा तीन के विद्यार्थियों को अबेकस का मॉडल बनाना सिखाया गया। कार्यशाला का संचालन प्रधानाचार्या उजमा जैदी के निर्देशन में हुआ।

नोएडा में सेफ सिटी परियोजना को मिली रफ्तार, जनगणना और सुरक्षा व्यवस्था पर प्रशासन सख्त

आरव शर्मा

नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा प्राधिकरण में शुक्रवार को आयोजित महत्वपूर्ण बैठक और प्रेस वार्ता में शहर की सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने के साथ-साथ जनगणना अभियान को सफल बनाने पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने की, जिसमें नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी, यातायात पुलिस विभाग तथा परियोजना से जुड़े परामर्शदाता मौजूद रहे।

बैठक में नोएडा सेफ सिटी परियोजना के तहत महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर विस्तृत योजना प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि शहर में कुल 561 स्थान चिन्हित किए गए हैं, जहां 1949 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा कई प्रमुख स्थानों पर इमरजेंसी बटन, नंबर प्लेट डिटेक्टर कैमरे, वेरिएबल मैसेज साइन बोर्ड और पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित किए जाएंगे, ताकि अपराध नियंत्रण और आपात स्थिति में त्वरित सहायता सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने प्रस्तुतीकरण के बाद अधिकारियों को परियोजना में आवश्यक

संशोधन कर जल्द संशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। प्रशासन का मानना है कि इस परियोजना के लागू होने के बाद नोएडा की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक हाईटेक और प्रभावी बनेगी। इसी दौरान आयोजित प्रेस

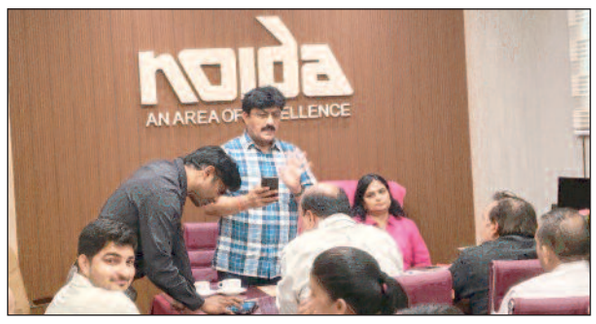

वार्ता में अधिकारियों ने जनगणना अभियान को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। बताया गया कि 7 मई से 21 मई 2026 तक नागरिक ऑनलाइन माध्यम से स्वगणना कर सकते हैं। इसके लिए आधिकारिक वेबसाइट पर सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वगणना के बाद मिलने वाली रए-क्कभविष्य की जनगणना प्रक्रिया में उपयोगी होगी और इससे नागरिकों एवं कर्मचारियों दोनों का समय बचेगा।

प्रशासन ने जानकारी दी कि 22 मई से 20 जून 2026 तक जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगे। अधिकारियों ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जनगणना का सीधा संबंध विकास योजनाओं से होता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि जनगणना से जुड़ी सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी।

बैठक और प्रेस वार्ता के दौरान अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी कि जनगणना प्रशिक्षण या ड्यूटी में बिना कारण अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

कार सवार युवक ने की फायरिंग, युवक गंभीर घायल

जेवर (शिखर समाचार) गांव सादुल्लाहपुर उर्फ मॉडलपुर निवासी एक युवक को कार सवार व्यक्ति ने गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का कस्बे के एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित केशव कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गुरुवार रात अपने बेटे टेक चंद्र के साथ घरेलू सामान खरीदने के लिए कस्बे में आए थे। रात करीब नौ बजे जब वे मुख्य चौराहे के पास पहुंचे, तभी एक काली स्कॉर्पियो कार वहां आकर रुकी। कार चालक लगातार हॉर्न बजाकर रास्ता खाली करने को कहने लगा, जिस पर उनका बेटा साइड में हो गया। आरोप है कि इसके बाद कार से उतरे हिमांशु निवासी गांव फलैदा ने गाली-गलौज शुरू कर दी। टेक चंद्र द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने अवैध हथियार से फायरिंग कर दी। गोली टेक चंद्र को लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डेल्टा लेबर चौक पर लगा वाटर एटीएम, श्रमिकों को मिलेगा निशुल्क ठंडा पानी

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने डेल्टा लेबर चौक पर श्रमिकों और राहगीरों के लिए वाटर एटीएम स्थापित किया है। शुक्रवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर ने इसका शुभारंभ किया। अब यहां आने वाले लोगों को निशुल्क आरओ का ठंडा पानी उपलब्ध हो सकेगा।

डेल्टा लेबर चौक पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रमिक काम की तलाश में पहुंचते हैं। तेज गर्मी में उन्हें पेयजल की परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर वाटर एटीएम लगाया गया है।

इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि लेबर चौक पर वाटर एटीएम की लंबे समय से आवश्यकता महसूस की जा रही थी। प्राधिकरण द्वारा यह सुविधा उपलब्ध कराना सराहनीय कदम है, जिससे श्रमिकों और राहगीरों को गर्मी में राहत मिलेगी।

कार्यक्रम में परियोजना विभाग वर्क सर्किल-5 के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, प्रबंधक स्वतंत्र वर्मा, जूनियर इंजीनियर कुलदीप शर्मा तथा सेक्टर डेल्टा के प्रतिनिधि मौजूद रहे। गौरतलब है कि यह ग्रेटर नोएडा का दूसरा वाटर एटीएम है। इससे पहले नटों की मड़ैया में लगाए गए वाटर एटीएम का शुभारंभ 7 मई को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किया था।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल का 28वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

शामली (शिखर समाचार) पश्चिमी उत्तर प्रदेश संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल का 28वां स्थापना दिवस जनपद शामली में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कैराना रोड स्थित ब्रेकपाइंट रेस्टोरेंट में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष घनश्यामदास गर्ग की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रामजीलाल कश्यप तथा नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामली, कैराना, झिंझाना, गढ़ीपुख्ता, थानाभवन, कांधला, बनत एवं ऊन सहित विभिन्न नगर इकाइयों के सैकड़ों व्यापारियों ने भाग लिया।

प्रदेश अध्यक्ष घनश्यामदास गर्ग ने व्यापारियों से संगठित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि व्यापारियों की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। वहीं डॉ. रामजीलाल कश्यप ने कहा कि शामली का व्यापार मंडल प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में एक मजबूत संगठन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं के समाधान में हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया। नगर पालिका चेयरमैन अरविंद संगल ने कहा कि संगठन वर्षों से व्यापारियों की सुरक्षा, सम्मान और हितों के लिए कार्य करता आ रहा है। उन्होंने सामाजिक कार्यों तथा अतिक्रमण हटाओ अभियान जैसे मामलों में भी संगठन के सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम में प्रदेश सचिव पंडित राजेंद्र शर्मा, सुशील गर्ग, नरेंद्र अग्रवाल, प्रदीप गोयल, सुभाष चंद्र धीमान, बृजभूषण संगल, अमित गर्ग, महेश धीमान, ऋषभ जैन, पंकज वालिया, शिवांक गर्ग, रवि संगल, आशुपुरी एवं आशु बत्रा सहित अनेक व्यापारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार पिकअप ट्रक में घुसी, चालक की मौत

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में पिकअप चालक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रही तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का अगला हिस्सा करीब छह फीट तक ट्रक में धंस गया।

पुलिस के अनुसार अलीगढ़ के दिल्ली गेट थाना क्षेत्र स्थित नंदनवन मेल रोड बाईपास निवासी 26 वर्षीय मोहित पिकअप वाहन में सब्जियां भरकर दिल्ली की ओर जा रहा था। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर 18 किलोमीटर माइलस्टोन के पास सामने चल रहे ट्रक से उसकी पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एक्सप्रेसवे के सुरक्षाकर्मी मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल चालक को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ट्रक चालक द्वारा अचानक ब्रेक लगाने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

विद्युत बिल समाधान दिवस में 18 शिकायतें पहुंचीं, 11 का मौके पर निस्तारण

मोदीनगर (शिखर समाचार)। विद्युत वितरण खंड मोदीनगर की ओर से शुक्रवार को दो स्थानों पर विशेष विद्युत बिल समाधान दिवस का आयोजन किया गया। विभाग के अधीक्षण अभियंता महेश उपाध्याय ने दोनों शिविरों का निरीक्षण कर उपभोक्ताओं से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली।

यह शिविर विद्युत वितरण खंड सीकरी रोड कार्यालय तथा उपखंड अधिकारी कार्यालय गोविंदपुरी में आयोजित किए गए। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चले।

अधिशासी अभियंता धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि शिविर में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 11 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

अधीक्षण अभियंता महेश उपाध्याय ने बताया कि अधिकांश विद्युत उपभोक्ताओं के कनेक्शन में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं हैं। विभाग की ओर से शिकायत मिलने पर उपभोक्ताओं के कनेक्शन में मोबाइल नंबर तत्काल अपडेट किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

तालाब की जमीन पर बनी सपा नेता की कोठी ध्वस्त करने का मामला विधानसभा में उठाएंगे अतुल प्रधान

हापुड़ (शिखर समाचार)। सदर तहसील क्षेत्र के गांव अमीपुर नंगौला में तालाब की भूमि पर बनी सपा नेता की कोठी पर प्रशासन द्वारा की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर राजनीति तेज हो गई है। सरधना से अतुल प्रधान शुक्रवार को गांव पहुंचे और कार्रवाई का विरोध जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस मामले को विधानसभा से लेकर न्यायालय तक उठाया जाएगा। सपा विधायक अतुल प्रधान गांव अमीपुर नंगौला निवासी सपा जिला उपाध्यक्ष अयूब सिद्दीकी के घर पहुंचे और ध्वस्तीकरण स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अयूब सिद्दीकी और उनके परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। विधायक ने आरोप लगाया कि करीब 200 गज में बनी पूरी इमारत को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया तथा परिवार को घरेलू सामान निकालने तक का अवसर नहीं दिया गया। उनका कहना था कि घरेलू सामान और पशुओं का चारा भी मलबे में दबकर नष्ट हो गया। अतुल प्रधान ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार गरीबों को उजाड़ने का काम कर रही है। उन्होंने हापुड़ की जिलाधिकारी कविता मीना से फोन पर बात कर कार्रवाई पर नाराजगी जताई। विधायक ने कहा कि जरूरत पड़ने पर समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर विधानसभा और न्यायालय तक संघर्ष करेगी। उन्होंने दावा किया कि सुबह करीब 10 बजे ही हाईकोर्ट से स्टे आदेश मिल चुका था, इसके बावजूद प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण जारी रखा गया। अतुल प्रधान ने इसे अदालत की अवमानना बताते हुए कहा कि इस पूरे मामले को कोर्ट में मजबूती से उठाया जाएगा। साथ ही उन्होंने जल्द ही जिलाधिकारी कार्यालय पर बड़े धरना-प्रदर्शन की चेतावनी भी दी।

डांगरोल में महिला कल्याण विभाग ने लगाया स्वावलंबन कैंप

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। कांधला क्षेत्र के ग्राम पंचायत डांगरोल में शुक्रवार को महिला कल्याण विभाग की ओर से स्वावलंबन कैंप आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुशफेकीन ने की।

कैंप में महिलाओं और ग्रामीणों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान 43 लाभार्थियों का सत्यापन भी किया गया।

साथ ही दहेज प्रतिषेध कानून, बाल विवाह, बाल श्रम और महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारी देकर हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 व 1098 के बारे में जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में सदफ खान, सुपरवाइजर आंचल, ग्राम प्रधान नीतू जावला, एडीओ अनिल कुमार, ग्राम सचिव मुकल बलदेव तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 88 लाख की ठगी, गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नूरपुर पुलिस ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर फर्जी नियुक्ति पत्र और नकली आईडी कार्ड तैयार कराने में शामिल होने का आरोप है।

ग्राम पुरैनी दुर्वेशपुर निवासी आशीष शर्मा पुत्र सुशील शर्मा ने 6 जून 2025 को नूरपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि गिरोह के सदस्यों ने सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर पीड़ित समेत कई लोगों से करीब 88 लाख रुपये वसूल लिए। रकम लेने के बाद आरोपियों ने फर्जी जॉइनिंग लेटर और नकली आईडी कार्ड थमा दिए। जब पीड़ितों ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर नूरपुर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 198/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया। मामले में नामजद मुख्य आरोपी भूदेव, उसकी पुत्री गीता चौहान निवासी इस्लामनगर नूरपुर तथा भूपेन्द्र सिंह उर्फ हंसराज निवासी कमाला स्योहारा पहले ही पुलिस दबाव के चलते अदालत में आत्मसमर्पण कर चुके हैं। पुलिस पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर गिरोह में मुरादाबाद निवासी एक अन्य आरोपी का नाम भी सामने आया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आदित्य कुमार पुत्र स्वर्गीय टेकचन्द उर्फ टिकेन्द्र सिंह निवासी नन्नूवाला थाना ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद को डायल 112 और स्थानीय पुलिस की सहायता से गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेजा जा रहा है।

बाबा टिकैत की पुण्यतिथि पर भाकियू कार्यकर्ताओं ने लिया किसानों की लड़ाई लड़ने का संकल्प

शामली। (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई। इस दौरान हवन यज्ञ आयोजित कर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा उनके बताए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया गया। करनाल रोड स्थित स्वर्गीय महेंद्र सिंह टिकैत की प्रतिमा के समक्ष आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे भाकियू कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। जिलाध्यक्ष सांता कुमार, कपिल खटियान, मास्टर जाहिद और कुलदीप पंवार ने कहा कि चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत ने किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और कई ऐतिहासिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। उन्होंने बिजलीघर आंदोलन को किसानों के लिए मील का पत्थर बताते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से किसानों की आवाज उठाने का कार्य करें।

हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

अवैध निमार्णों पर चला बुलडोजर, चार संपत्तियां सील करने के आदेश जारी

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा अवैध निमार्णों के खिलाफ सख्त अभियान लगातार जारी है। प्राधिकरण की ओर से जारी आदेश के तहत बिना मानचित्र स्वीकृति कराए किए गए निमार्णों पर कार्रवाई करते हुए चार संपत्तियों को सील करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार संबंधित लोगों को पहले नोटिस जारी कर निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आदेशों की अनदेखी किए जाने पर अब सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई की जद में आने वाले निमार्णों में गढ़ रोड, धौलाना क्षेत्र तथा अन्य स्थानों पर बने व्यावसायिक और आवासीय निर्माण शामिल हैं। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृत मानचित्र के किसी भी प्रकार का निर्माण पूरी तरह

अवैध माना जाएगा और ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

एचपीडीए अधिकारियों ने कहा कि अवैध कॉलोनियों और निमार्णों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार चलता रहेगा। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि किसी भी भवन निर्माण से पहले प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में कार्रवाई का सामना न करना पड़े।

प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध निर्माण कराने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

सर्वजातीय महापंचायत रोके जाने पर बढ़ा तनाव, देर शाम अधिकारियों को सौंपा ज्ञापन

दादरी। (शिखर समाचार) नगर के ब्रह्मपुरी मोहल्ला स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में प्रस्तावित सर्वजातीय महापंचायत को लेकर शुक्रवार को पूरे दिन तनावपूर्ण माहौल बना रहा। महापंचायत से पहले पुलिस प्रशासन द्वारा समाज के कई प्रमुख लोगों को उनके आवासों पर नजरबंद किए जाने की चर्चा क्षेत्रभर में रही। वरिष्ठ ब्राह्मण नेता पंडित पीताम्बर शर्मा को चिटहेरा स्थित आवास पर, अधिवक्ता कपिल शर्मा को बील अकबरपुर गांव में तथा मास्टर परमानंद शर्मा को दादरी स्थित घर पर पुलिस ने रोक दिया। नगर पालिका परिषद चेयरमैन गीता पंडित को नजरबंद करने पुलिस उनके आवास पहुंची, लेकिन वह पहले ही किसी कार्यक्रम के लिए निकल चुकी थीं।

कार्यालय नगर पंचायत एलम, जनपद शामली

पत्रांक– 2189/न0प0एलम/2026–27 दिनांकः 15.05.2026

'ई-निविदा आमन्त्रण सूचना'

समस्त ठेकेदारो/फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत एलम, जनपद–शामली मे स्वच्छ भारत मिशन–नगरीय 2.0 के अन्तर्गत 03 टी0पी0डी0 वेट वेस्ट प्रोसेसिंग (पिट कम्पोस्टिग) के सिविल निर्माण हेतु प्राप्त धनराशि से प्रस्तावित निर्माण कार्य कराया जाना है। जिसके लिए ई–निविदाऐं दिनांक 05.06.2026 के अपरान्ह 03.00 बजे तक ई–निविदाए www.etender.up.nic.in वेबसाइट पर पर आमन्त्रित की जाती है। जहाँ से इन्हे अपलोड किया जा सकता है। निविदा मूल्य (जी0एस0टी0) सम्मलित करते हुऐ का ड्राफ्ट अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत एलम, के पक्ष मे ई–निविदा के साथ संलग्न कर दिनांक 05.06.2026 को अपरान्ह 03.00 बजे तक कार्यालय मे रखे सील बॉक्स मे डालना होगा। जिन्हे वेबसाइट पर अपलोड करना भी अनिवार्य होगा। प्राप्त सभी ई–निविदाओ को दिनांक–05.06.2026 की सांय 04.00 बजे खोली जायेगी। ई–निविदा सम्बन्धी शर्ते एंव समस्त जानकारी www.etender.up.nic.in वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

E-Tender Referance	2189 / NP Ailum/ET/2026-27
Last Date and Time For Submission of E-Tender	05.06.2026 Time 03:00 PM
Date and Time Opening E-Tender	05.06.2026 Time 04:00 PM
Place of Opening of E-Tender	Nagar Panchayat Ailum
E-Tender Security	10% of Tender Value
E-Tender Document Processing	As Per Tender List

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत एलम
जनपद-शामली

अध्यक्ष
नगर पंचायत एलम
जनपद-शामली

संपादकीय

नीट परीक्षा संकट और देश की शिक्षा व्यवस्था का भविष्य

देश में मेडिकल शिक्षा केवल एक करियर विकल्प नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की उम्मीदों, संघर्षों और सपनों का प्रतीक बन चुकी है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी दिन रात मेहनत करके राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा यानी नीट (यूजी) की तैयारी करते हैं। माता पिता अपनी जमा पूंजी, समय और भावनाएं बच्चों की पढ़ाई पर लगा देते हैं। ऐसे में जब किसी परीक्षा पर पेपर लीक, धांधली या अव्यवस्था के आरोप लगते हैं, तो केवल परीक्षा ही प्रभावित नहीं होती, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा हो जाता है। वर्ष 2026 की नीट परीक्षा भी इसी प्रकार के विवादों के कारण देशव्यापी चर्चा का विषय बन गई है। अब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने भारत सरकार की मंजूरी के बाद नीट यूजी 2026 की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित करने की घोषणा की है। यह फैसला लाखों छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने देश की परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

3 मई 2026 को आयोजित नीट परीक्षा के बाद कई राज्यों से प्रश्नपत्र लीक होने, संगठित गिरोहों की सक्रियता और परीक्षा केंद्रों पर अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई थीं। सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र वायरल होने के दावे किए गए। कुछ राज्यों की पुलिस ने प्रारंभिक जांच में ऐसे नेटवर्क का खुलासा भी किया जो मोटी रकम लेकर प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का दावा कर रहे थे। इसके बाद विपक्षी दलों, अभिभावक संगठनों और छात्र समूहों ने परीक्षा रद्द करने की मांग तेज कर दी। बढ़ते दबाव और प्रारंभिक जांच रिपोर्टों के आधार पर सरकार ने परीक्षा निरस्त करने का निर्णय लिया। यह निर्णय कठिन जरूर था, लेकिन छात्रों के हित में आवश्यक माना गया, क्योंकि यदि संदिग्ध परिस्थितियों में परीक्षा परिणाम जारी होते, तो ईमानदारी से मेहनत करने वाले लाखों विद्यार्थियों के साथ अन्याय होता।

हालांकि पुनर्परीक्षा की घोषणा के बाद विद्यार्थियों में राहत और चिंता दोनों दिखाई दे रही हैं। राहत इस बात की कि सरकार ने मामले को गंभीरता से लिया और निष्पक्षता बनाए रखने का प्रयास किया। चिंता इस कारण कि दोबारा परीक्षा देना मानसिक और शारीरिक रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। कई छात्र ऐसे हैं जिन्होंने पहली परीक्षा के बाद अपनी तैयारी का दबाव कम कर दिया था। कुछ विद्यार्थियों ने दूसरे कोर्सों में आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी थी। अब अचानक फिर से उसी कठिन तैयारी के दौर में लौटना उनके लिए आसान नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों के सामने तो अतिरिक्त समस्याएं खड़ी हो गई हैं। कोचिंग, आवास, यात्रा और अध्ययन सामग्री पर पहले ही भारी खर्च हो चुका है। पुनर्परीक्षा ने इन परिवारों की आर्थिक चिंता और बढ़ा दी है। एनटीए ने दावा किया है कि इस बार परीक्षा व्यवस्था को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जाएगा। नए सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं। प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली में बदलाव, डिजिटल निगरानी, केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन और संवेदनशील जिलों में विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त करने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। एजेंसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि पुनर्परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जल्द जारी किए जाएंगे और छात्रों को परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय से उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार की ओर से यह संकेत भी दिए गए हैं कि भविष्य में राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के संचालन के लिए एक स्वतंत्र और अधिक तकनीकी रूप से सक्षम प्रणाली विकसित की जा सकती है।

~ मौलिक चिंतन ~

जो भी अपने आपको पढ़ सकते हैं, वही अपना भविष्य लिख सकते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है।

देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं।

यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं।

कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए। सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है। राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दशार्ता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता।

सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है।

भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। भारत ने हमेशा त्याग, अनुशासन और एकता के बल पर चुनौतियों को हराया है और आगे भी हर संकट से मजबूती के साथ बाहर निकलेगा।

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

कमलेश पांडेय

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं-

पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने 'मल्टीपोलर वर्ल्ड' के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरूआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं–जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज–को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है। समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि 'ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है।

दवा नहीं, जहर का कारोबारः भारत की साख पर संकट

ललित गर्ग

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है।

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं।

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को ह्यफार्मेसी ऑफ द वर्ल्डह्व कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने

फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुमार्ने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है।

रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके।

दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निमार्ता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।
~~~~~~~~~

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी** :- प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में** :- पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर**:- देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर
⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी)**:- वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार** :- बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय** :- खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण** :- क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण**:- कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा** :- गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई** :- टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई** :- टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग** :- वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना** :- ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई** :- टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल** :- टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल**:- टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर** :- फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर** :- बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

कोटयार्क इंडस्ट्रीज का बड़ा ऐलान 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर

मुंबई ।

माइक्रो-कैप कंपनी कोटयार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा ऐलान कर दिया है। कंपनी के बोर्ड ने 10:1 के अनुपात में बोनस शेयर बांटने की मंजूरी दी है, जिसका अर्थ है कि निवेशकों को उनके प्रत्येक 1 शेयर पर 10 बोनस शेयर दिए जाएंगे। यह पहली बार है जब कंपनी अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी कर रही है। हालांकि, बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट की घोषणा अभी नहीं की गई है। इस घोषणा के बाद, कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर उछाल के साथ 446.30 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। पिछले पांच साल से भी कम समय में यह मल्टीबैगर स्टॉक 400 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया है। 18 नवंबर 2021 को जहां यह शेयर 88.30 रुपये पर था, वहीं 15 मई 2026 तक यह 446.30 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। कंपनी के शेयरों ने हाल के महीनों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। बीते छह महीनों में इसमें 80 प्रतिशत से अधिक का उछाल दर्ज हुआ है। वहीं, इस साल अब तक कोटयार्क इंडस्ट्रीज के शेयरों में 85 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। बीते चार महीनों में यह स्टॉक 110 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है। इसका 52 हफ्ते का शीर्ष स्तर 448.35 रुपये और निचला स्तर 318.30 रुपये है। वित्तीय मोर्चे पर भी कोटयार्क इंडस्ट्रीज ने मजबूत प्रदर्शन किया है। 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का मुनाफा बढ़कर 9.38 करोड़ हो गया, जबकि एक साल पहले समान अवधि में यह 1.51 करोड़ रुपये था। इसी तिमाही में कंपनी का राजस्व भी सालाना आधार पर 221 प्रतिशत बढ़कर 63.66 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कोटयार्क इंडस्ट्रीज बायोडीजल मैन्युफैक्चरिंग और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में सक्रिय है, जो वेस्ट कुकिंग ऑयल, वेजिटेबल ऑयल्स और एनिमल फैट्स से बायोडीजल का उत्पादन करती है। कंपनी में प्रमोटरों की हिस्सेदारी 63.84 प्रतिशत है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 36.16 प्रतिशत है।

निवेशकों की होगी चांदी, अगले हफ्ते एलएंडटी, हैवेल्स, जीएम ब्रुअरीज कंपनी देंगी डिविडेंड

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में डिविडेंड से कमाई करने वाले निवेशकों के लिए अगला हफ्ता अहम रहने वाला है। लार्सन एंड टुब्रो, एलएंडटी फाइनेंस, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, सुला वाइनयार्ड्स, हैवेल्स इंडिया, जीएम ब्रुअरीज, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी समेत कई कंपनियों ने डिविडेंड देने का ऐलान किया है। बीएसई के आंकड़ों के मुताबिक इन कंपनियों के शेयर 19 मई 2026 से 22 मई 2026 के बीच एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगे। डिविडेंड का फायदा पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तारीख से पहले शेयर खरीदने होंगे।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने 40 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। कंपनी ने 22 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है। इसके बाद लार्सन एंड टुब्रो ने 38 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। वहीं ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी 11.70 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। जीएम ब्रुअरीज ने 9 रुपए प्रति शेयर, जबकि विनाइल केमिकल्स इंडिया ने 7 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। हैवेल्स इंडिया ने भी 6 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड घोषित किया है।

कंपनी ने शेयरधारकों की पात्रता तय करने के लिए 24 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट रखा है। इसके अलावा जिंदल सॉ और सुला वाइनयार्ड्स 2-2 रुपए प्रति शेयर का अंतिम डिविडेंड देंगी। वहीं एलएंडटी फाइनेंस ने 2.75 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड का ऐलान किया है। अलिकॉन कास्टअलॉय, वर्कमेट्स और मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर ने भी अंतरिम डिविडेंड का ऐलान किया है। मैन इन्फ्राकंस्ट्रक्शन 0.72 रुपए प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगा, जबकि अतिशय ने 1 रुपए प्रति शेयर के अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। दोनों कंपनियों ने 19 मई 2026 को रिकॉर्ड डेट तय किया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 160, निफ्टी 46 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दोपहर बाद बिकवाली हावी होने से आई है। आज शुरुआती कारोबार के दौरान मार्केट में तेज़ी देखने को मिली थी पर दिन के अंत में उसके हाथ से बढ़त निकल गयी। मेटल, ऑयल एवं गैस तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों की सतर्कता से भी बाजार टूटा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 160.73 अंक नीचे आकर 75,237.99 पर बंद हुआ । वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 46.10 अंक फिसलकर 23,643.50 पर बंद हुआ, जिससे इसकी दो दिन की लगातार बढ़त का सिलसिला टूट गया। आज टाटा स्टील, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स सेंसेक्स शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट रही। वहीं इंफोसिस, टेक महिंद्रा, पावरग्रिड, अदानी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और सन फार्मास्यूटिकल्स के शेयरों में तेजी रही। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में ज़्यादा गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी मिडकैप 100 में 0.45 फिसदी की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.61 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी की निफ्टी 50 की कंपनियों में टाटा मोटर्स पीवी , डॉ रेड्डीज में , इंफोसिस और टेक महिंद्रा में बढ़त रही जबकि हिंडाल्को क्वालिटी वॉल्स , नेस्ले इंडिया म, टाटा स्टील के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 98 अंक बढ़कर 75,497 पर और निफ्टी 41 अंक ऊपर 23,731 के स्तर पर खुला।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 22 पैसे की गिरवट के साथ ही 95.86 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह 30 पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और पश्चिम एशिया संकट को लेकर निवेशकों की कमजोर धारणा के कारण आई है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि तेल की कीमतों में तेजी के बीच डॉलर की खरीदारी जारी रहने के कारण रुपया दबाव में है और यह 96 के निशान के बहुत करीब बना हुआ है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.86 प्रति डॉलर पर खुला। फिर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.94 तक टूट गया जो पिछले बंद भाव से 30 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक कमजोर हुआ। हालांकि, अंत में दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.64 पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.24 फीसदी की बढ़त के साथ 99.05 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 1.30 फीसदी की बढ़त के साथ 107.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

अडानी एयरपोर्ट्स और आईएचजी के बीच बड़ा समझौता, भारत में आएगा किम्पटन ब्रांड

मुंबई ।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने वैश्विक आतिथ्य कंपनी आईएचजी होटल्स एंड रिजार्ट्स के साथ भारत में पांच नए होटल तैयार करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। यह साझेदारी मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद सहित प्रमुख हवाई अड्डों के करीब और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में करीब 1,500 कमरे जोड़ेगी। यह समझौता भारत में आईएचजी की विस्तार रणनीति के अनुरूप है, इसके तहत विभिन्न ब्रांडों के तहत नए होटल विकसित किए जाएंगे। इस करार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि आईएचजी का लक्जरी ब्रांड किम्पटन होटल्स एंड रेस्तरां पहली बार भारतीय बाजार में आएगा। इन होटलों का विकास जयपुर, मंगलूरु, तिरुवनंतपुरम और मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में भी किया जाएगा। अडानी समूह की कंपनी एएएचएल वर्तमान में मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, जयपुर, लखनऊ, गुवाहाटी, मंगलूरु और तिरुवनंतपुरम सहित आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है। अडानी एंटरप्राइजेज के निदेशक प्रणव अडानी ने इस समझौते को हवाई अड्डों के आसपास विश्वस्तरीय एकीकृत गंतव्य विकसित करने के लक्ष्य के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी यात्रा, ठहरने और शहरी सुविधाओं के बेहतर समन्वय के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और अंतरराष्ट्रीय मानक सुनिश्चित करेगी। आईएचजी के प्रबंध निदेशक (दक्षिण पश्चिम एशिया) सुदीप जैन ने भारत के आतिथ्य क्षेत्र, विशेष रूप से हवाई अड्डा-आधारित शहरों में बड़ी संभावनाओं पर जोर दिया, जहां व्यवसाय, पर्यटन और ट्रांजिट यात्रियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आईएचजी वर्तमान में भारत में छह ब्रांडों के तहत 52 होटल संचालित करती है और अगले तीन से पांच वर्षों में 98 नए होटल खोलने की योजना बना रही है। दोनों कंपनियां इस साझेदारी को और विस्तार देने के लिए भी उन्नत स्तर की बातचीत कर रही हैं।

न्यू एरा क्लीनटेक महाराष्ट्र में लगाएगी 3 अरब डॉलर का ऊर्जा संयंत्र

कोयले को गैस में बदलकर औद्योगिक रसायनों और ईंधन का करेगी उत्पादन

नई दिल्ली।

मुंबई की न्यू एरा क्लीनटेक को उम्मीद है कि वह अपनी 20,000 करोड़ रुपए वाली बड़ी कोयला गैसीकरण परियोजना के पहले चरण का वित्तीय समापन दिसंबर 2026 तक कर लेगी और इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण ऑर्डर दे देगी। यह परियोजना महाराष्ट्र में चंद्रपुर के भद्रावती में स्थापित की जा रही है। नागपुर के पास स्थित यह इकाई भारत में नियोजित सबसे बड़े कोयला गैसीकरण और कार्बन कैप्चर संयंत्रों में से एक होगी। यह सालाना 50 लाख टन कोयले को गैस में बदलकर उर्वरक, खनन, वस्त्र और पैकेजिंग जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल किए जाने वाले अहम औद्योगिक रसायनों और ईंधन का उत्पादन करेगी।

यह परियोजना दो चरणों में विकसित की जा रही है। इसके लिए तीन सालों में कुल 3 अरब डॉलर का निवेश जरुरी है। कंपनी संस्थापक और प्रबंध निदेशक बालासाहेब डाराडे ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि पहले चरण में कंपनी करीब 1 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में अतिरिक्त 2 अरब डॉलर का निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम पहले चरण में करीब 12 से 16 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील कर 1 अरब डॉलर के निवेश की बात कर रहे हैं। दूसरे चरण में यह दोगुना हो जाएगा।

कुल मिलाकर जब संयंत्र पूरी तरह से चालू होगा, तो हम हर साल करीब 50 लाख टन कोयले को गैस में तब्दील करने की क्षमता देख रहे हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट और उसके परिणामस्वरूप पैदा हुए ऊर्जा संकट ने अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी ईंधन इनपुट के मामले में भारत की आयात पर निर्भरता को उजागर कर दिया है। इस संकट ने सरकार को ऐसी नीतियां बनाने के लिए प्रेरित किया है, जिनसे कोयला गैसीकरण में निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ाई जा सके।

ऐसा करके इन महंगे आयातों में कटौती की जा सकती है और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है।

डिजिटल धोखाधड़ी रोकने भुगतान में देरी के प्रस्ताव पर बैंकों की जताई सहमति

चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए

नई दिल्ली।

धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए 10,000 रुपए से ज्यादा के खाता से खाता हस्तांतरण पर एक घंटे की देरी का प्रस्ताव करने वाले आरबीआई के चर्चा पत्र की कई हलकों में आलोचना हुई, लेकिन बैंक कुछ हद तक विलंब के विचार का व्यापक समर्थन करते दिखाई दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने केंद्रीय बैंक से 10,000 रुपए की सीमा को बढ़ाकर 25,000 रुपए करने का आग्रह किया है। सूत्रों ने कहा कि भुगतान उद्योग संगठन सेल्फ-रेग्युलेटेड पीएसओ एसोसिएशन ने भी नियामक को अपनी प्रतिक्रिया भेजी है।

उद्योग ने चर्चा पत्र में सुझाए गए सुझावों के संभावित कार्यान्वयन से उत्पन्न परिचालन संबंधी मुद्दों को भी रेखांकित किया है।

उद्योग के एक सूत्र ने कहा कि चर्चा पत्र में प्रस्तावित सीमाएं केवल पियर टु पियर हस्तांतरण के लिए हैं।

यदि पी2एम प्रवाह के लिए इसी तरह के घोटाले शुरू हो जाएं तो क्या होगा? यह समस्या भरा हो सकता है। उद्योग ने उन परिचालन संबंधी मुद्दों को रेखांकित किया है जो सामने आ सकते हैं, जैसे विलंबित भुगतान, खातों की व्हाइटलिस्टिंग आदि। अप्रैल में जारी एक चर्चा पत्र में रिजर्व बैंक ने डिजिटल भुगतान में बढ़ती धोखाधड़ी पर अंकुश लगाने के लिए कई उपायों का सुझाव दिया था।

इसमें लाभार्थी के खाते में धन जमा होने से पहले 10,000 रुपए से ज्यादा के डिजिटल भुगतानों में एक घंटे की देरी करना शामिल है। अन्य उपायों में कमजोर उपयोगकर्ताओं के लिए विश्वसनीय व्यक्तियों द्वारा अतिरिक्त प्रमाणीकरण, जिन खातों में बड़ी राशि जमा होती है, उनकी कड़ी जांच और ग्राहक द्वारा किए जाने वाले सुरक्षा उपायों का विस्तार शामिल है।

यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब 10,000 रुपए से ज्यादा के लेनदेन में मात्रा के हिसाब से करीब 45 फीसदी और मूल्य के हिसाब से 98.5 फीसदी धोखाधड़ी हो रही है। डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी में पिछले 5 सालों में मूल्य के मामले में लगभग 41 गुना वृद्धि हुई है और यह लगभग 23,000 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

एक निजी क्षेत्र के बैंक के एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि इस बात को लेकर वास्तविक चिंता थी कि धोखाधड़ी खत्म करने के इन प्रयासों से सभी के लिए असुविधा पैदा हो सकती है क्योंकि जो चीज तत्काल होनी चाहिए, उसमें समय लगेगा। सुरक्षा और दक्षता के बीच संतुलन बनाना मुख्य मुद्दा था। कुछ लोगों को लगा कि 10,000 रुपए की सीमा बहुत कम है और इसे बढ़ाया जाना चाहिए।

सोने और चांदी की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में नरमी आई है। ये गिरावट मुनाफावसूली के कारण आई है। इससे दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव में भी गिरावट रही। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,60,550 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,81,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में गिरावट रही। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 1,188 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,60,790 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,61,978 रुपये था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध 11,102 रुपये की गिरावट के साथ 2,80,000 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,91,102 रुपये था। वहीं एक समय यह अनुबंध 10,077 रुपये की गिरावट के साथ 2,81,025 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,81,765 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,79,458 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। कॉमेक्स पर सोना 4,654.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 84 डॉलर के भाव पर खुले।

जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज से अपनी हिस्सेदारी बेची

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियां देखने को मिलीं। विदेशी निवेश कंपनी जीक्यूजी पार्टनर्स ने अदाणी एंटरप्राइजेज में अपनी 0.46 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,435 करोड़ रुपये जुटाए। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, जीक्यूजी पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड ने अदाणी एंटरप्राइजेज के करीब 58.9 लाख शेयर 2,435.6 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर बिके, जिन्हें एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खरीदा। मार्च 2026 तिमाही के अंत तक, जीक्यूजी की अदाणी एंटरप्राइजेज में अन्य फंडों के द्वारा करीब 3.9 प्रतिशत हिस्सेदारी बरकरार थी। गुरुवार को शेयर बाजार का कारोबार खत्म होने पर अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 2,713.6 रुपये पर बंद हुआ। इसी कड़ी में, बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी ने शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की। इसकी यूनिट्स लिस्टिंग के बाद करीब 4 प्रतिशत बढ़कर 103.7 रुपये पर बंद हुईं, जबकि इश्यू प्राइस 100 रुपये था। कंपनी का 3,405 करोड़ रुपये का आईपीओ निवेशकों को खूब भाया और यह करीब 25 गुना सब्सक्राइब हुआ। बागमाने प्राइम ऑफिस आरईआईटी मुख्य रूप से बेंगलुरु में प्रीमियम ग्रेड ए प्लस ऑफिस पार्कों का मालिकाना हक व प्रबंधन करती है।

उधर, एसेट मैनेजमेंट कंपनियां एएसके अल्टरनेटस और लाइटहाउस कैंटन ने भारत के तेजी से बढ़ते प्राइवेट क्रेडिट मार्केट में नए फंड लांच किए हैं। एएसके अल्टरनेटस का लक्ष्य 2,500 करोड़ रुपये जुटाना है, जबकि लाइटहाउस कैंटन अपने नए फंड के जरिए 1,200 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। दोनों कंपनियां मजबूत सुरक्षा वाले लोन पर फोकस करेंगी। इनका मकसद निवेशकों को हाई-टीन (करीब 15 से 19 प्रतिशत) तक रिटर्न देना है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में निजी क्रेडिट मार्केट तेजी से बढ़ रहा है और निवेशकों की इसमें दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है।

अगली पीढ़ी को एयरटेल की कमान सौंपने की तैयारी में सुनील मित्तल

नई दिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल ने अगले दशक में भारती एयरटेल की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने की अपनी महत्वाकांक्षी योजना का खुलासा कर दिया है।

इस परिवर्तन से पहले, उनकी प्राथमिक इच्छा प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में एयरटेल की 50 प्रतिशत से अधिक नियंत्रक हिस्सेदारी फिर से हासिल करना है। यह कदम कंपनी के भविष्य के लिए एक मजबूत और एकीकृत नियंत्रण संरचना सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण रणनीति का हिस्सा है। वर्तमान में, मित्तल और सिंगटेल समूह के स्वामित्व वाली भारती टेलीकॉम के पास एयरटेल में 40.47 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि प्रवर्तक कंपनियों का कुल स्वामित्व 48.87 प्रतिशत है। भारती मित्तल ने भारती एयरटेल की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा के दौरान कहा कि उनका लक्ष्य है कि अगली पीढ़ी को कमान सौंपते समय तक भारती टेलीकॉम को 51 प्रतिशत या उससे थोड़ी अधिक नियंत्रक शेयरधारिता हासिल हो जाए।

मित्तल ने बताया कि एयरटेल में भारती टेलीकॉम की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत बढ़ाने के लिए मौजूदा शेयर मूल्य और बाजार पूंजीकरण के आधार पर करीब एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी पूंजी की आवश्यकता होगी। उनका मूल विचार यह है कि कंपनी का नियंत्रण एवं प्रवर्तक शेयरधारिता एक ही इकाई, यानि ऐतिहासिक रूप से संस्थापक प्रवर्तक रही भारती टेलीकॉम, के माध्यम से होनी चाहिए। इस लक्ष्य को अगले तीन से चार वर्षों में एयरटेल के प्रदर्शन, शीर्ष प्रबंधन के संचालन और मजबूत नकदी प्रवाह सृजन पर निर्भर करते हुए प्राप्त करने की योजना है। सिंगटेल के पास एयरटेल में लगभग सात प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी है, और उसकी हिस्सेदारी घटाने की प्रक्रिया जारी है। मित्तल ने संकेत दिया कि आने वाले तीन से चार वर्षों में शेष 3.6 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की योजना एयरटेल के प्रदर्शन, शेयर पुनर्खरीद और लाभांश जैसे कारकों पर आधारित होगी। इन रणनीतिक बदलावों के बीच, भारती एयरटेल ने जनवरी-मार्च तिमाही में 7,325 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, हालांकि इसमें 33.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

वहीं, कंपनी का वार्षिक राजस्व पहली बार दो लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। सुनील मित्तल का वर्तमान कार्यकाल 30 सितंबर, 2031 तक के लिए बढ़ाया गया है, जो उनके दीर्घकालिक विजन को दर्शाता है।

डीजल संकट से खतरे में सीवी उद्योग की रिकवरी

मुंबई।

भारत का वाणिज्यिक वाहन (सीवी) उद्योग, जो अंततः वित्त वर्ष 2019 के थोक बिक्री के अपने शीर्ष स्तर को पार कर चुका है, अब एक नए खतरे का सामना कर रहा है। बेहतर वाहन किफायत, जीएसटी के कारण लागत में कमी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे खर्च ने रिकवरी को संभव बनाया। लेकिन, टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्याधिकारी गिरीश वाघ के अनुसार, डीजल की कीमतें इस पूरे चक्र के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हैं।

ट्रक ऑपरेटरों के लिए, सेगमेंट और ड्यूटी साइकल के आधार पर, डीजल कुल स्वामित्व लागत (टीसीओ) का 25 से 50 प्रतिशत तक होता है। खुदरा डीजल की कीमत में करीब 1 रुपये की वृद्धि से टीसीओ में उसी अनुपात में बढ़ोतरी होती है, जिसका सीधा असर उन सेगमेंट पर पड़ता है, जहाँ डीजल की हिस्सेदारी अधिक होती है। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस पहलू को अत्यंत महत्वपूर्ण निगरानी योग्य बताया, जिस पर कंपनी सक्रिय रूप से नजर रख रही है कि खुदरा कीमतें किस दिशा में बढ़ सकती हैं और वाहन मालिकों के लिए परिचालन किफायत के लिहाज से इसका क्या मतलब होगा। यह खतरा तब सामने आया है जब पश्चिम एशिया में 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। हालांकि भारत में खुदरा उपभोक्ता अभी तक इसके पूरे असर से बचे हुए हैं, क्योंकि सरकारी तेल विपणन कंपनियां घाटा खुद उठा रही हैं, लेकिन यह सुरक्षा कवच सीमित है और जल्द ही हट सकता है।

वित्त वर्ष 2026 में सीवी बाजार में जो तेजी देखी गई, उसकी मुख्य वजह वाहन ऑपरेटरों की आर्थिक स्थिति में आया सुधार था। टाटा मोटर्स के प्रबंध निदेशक वाघ ने इस अवधि को सीवी उद्योग के लिए एक अहम मोड़ बताया, जिसमें जीएसटी सुधारों और इंफ्रास्ट्रक्चर पर लगातार हो रहे खर्च की बदौलत बिक्री का आंकड़ा वित्त वर्ष 2019 से पहले के अपने सबसे ऊंचे स्तर को पार कर गया। सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में कटौती ने गाड़ियों की शुरुआती कीमतें कम कीं, रुकी हुई मांग फिर से शुरू हुई और माल ढुलाई की दरें स्थिर होने से ऑपरेटरों का नकदी प्रवाह बेहतर हुआ। डीजल की कीमतों में कोई भी बड़ी बढ़ोतरी इन हालिया लाभों को खतरे में डाल देगी, जिससे उन ऑपरेटरों की परिचालन लागत बढ़ जाएगी जो अभी-अभी बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं।

मुंबई में सीएनजी के साथ पेट्रोल-डीजल के भी बढ़े दाम, परिवहन पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

देश में एक बार फिर ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। मुंबई में सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़ा दिए गए हैं। अब मुंबई में सीएनजी की नई कीमत 84 रुपए प्रति किलो हो गई है। यह बढ़ोतरी महानगर गैस लिमिटेड की ओर से की गई है, जिससे सीधा असर वाहन चालकों और सीएनजी पर चलने वाले परिवहन पर पड़ेगा। सीएनजी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने दोनों ईंधनों के दाम 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में अब डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 97.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर रोजमर्रा की जरूरतों और ट्रांसपोर्ट खर्च पर पड़ना तय है। रिपोर्ट के मुताबिक ईंधन की कीमतों में यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय बाजार से भी जुड़ा हुआ है। हाल के हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल से भी ऊपर पहुंच गई थीं। हालांकि बाद में इनमें थोड़ी गिरावट आई और यह 100 से 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर हुईं। विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन में बाधा और तनावपूर्ण हालात के कारण तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक होर्मुज क्षेत्र में तनाव और आंशिक रूप से सप्लाई बाधित होने की वजह से वैश्विक तेल बाजार प्रभावित हुआ है।

इसी कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया है, जिसका असर भारत जैसे आयात पर निर्भर देशों पर भी पड़ा है। भारत दुनिया के उन बड़े देशों में शामिल है ।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और टाइटंस में मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के इरादे से उतरेंगी। जहां केकेआर का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी हल्की सी उम्मीदें बनाये रखना रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना चाहेगी। इस सत्र में अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए गुजरात टाइटंस जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

इस सत्र में जब पिछली बार इन दोनों टीमों में मुकाबला हुआ था तब गुजरात टाइटंस ने केकेआर को 5 विकेट से मात दी थी। ऐसे में अब केकेआर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 6 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 1 जबकि गुजरात ने 4 जीते हैं, वहीं एक मैच का परिणाम नहीं आया है।

इस मैच में केकेआर को अगर जीतना है तो उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी कप्तान आजिंक्य रहाणे के अलावा अंगकृष रघुवंशी, कैमरून ग्रीन और रिंकू सिंह पर आधारित रहेगी। वहीं गेंदबाजी कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा के अलावा रहस्यमी स्पिनर सुनील नरेन पर आधारित रहेगी

दूसरी ओर इस सत्र में शुभमन गिल की कप्तानी में शानदार प्रदर्शन कर रही गुजरात की बल्लेबाजी शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और राहुल तेवतिया पर आधारित रहेगी। टीम की गेंदबाजी की कमान कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा स्पिनर राशिद खान संभालेंगे।

टीम इस प्रकार है

केकेआर : अजिंक्य रहाणे (कप्तान), फिल एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरून ग्रीन, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, रोवमैन पॉवेल, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी। इम्पैक्ट प्लेयर- सौरभ दुबे।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, जेसन होल्डर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर- प्रसिद्ध कृष्णा।

थाईलैंड ओपनः पीवी सिंधु कड़े संघर्ष में हारी, सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

बैंकाक (एजेंसी)। पूर्व और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के बीच हुए मुकाबले में भारत की पीवी सिंधु शुक्रवार को यहां थाईलैंड ओपन 2026 बैडमिंटन के महिला सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में जापान की अकाने यामागुची से कड़े संघर्ष में हार गईं।

2019 की बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन और महिला सिंगल्स रैंकिंग में मौजूदा नंबर 12 पर काबिज सिंधु ने पहला गेम जीता और मैच के दूसरे मिड-गेम इंटरवल में चार पॉइंट की बढ़त के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर बढ़ती दिखीं। हालांकि, दुनिया की नंबर 3 और मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यामागुची ने अपने ट्रेडमाक फाइटबैक से मैच का रुख पलट दिया और 61 मिनट में 19-21, 21-18, 21-15 से जीत हासिल की।

हार के बावजूद भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपने हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में 15-13 की मामूली बढ़त बनाए रखी है। यामागुची पर उनकी सबसे यादगार जीत टोक्यो 2020 ओलंपिक्स के क्वार्टर-फ़ाइनल में मिली थी। हालांकि, शुक्रवार के नतीजे ने जापानी स्टार से उनकी पिछली पांच मुलाकातों में चौथी हार को चिह्नित किया। इससे पहले उनका सबसे हालिया मुकाबला जनवरी में मलेशिया ओपन में हुआ था, जहां यामागुची के चोट के कारण रिटायर होने के बाद सिंधु आगे बढ़ी थीं।

इससे पहले दिन में टॉप सीड सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जापान के छठे सीड ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 41 मिनट में 21-12, 21-13 से हराकर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शनिवार को सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह से फेई और नूर इजुद्दीन से भिड़ेंगे।

चिराग और सात्विक दो बार के थाईलैंड ओपन चैंपियन हैं, जिन्होंने क्रमशः 2019 और 2024 में पुरुषों के डबल्स खिताब जीते हैं। सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन, दिन में बाद में पुरुषों के सिंगल्स क्वार्टर फाइनल में घरेलू पसंदीदा कुनलावुत विटिडसार्न (पूर्व विश्व चैंपियन और पेरिस 2024 रजत पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

डेविड बेकहम यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बने

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान सर डेविड बेकहम 2026 संडे टाइम्स रिच लिस्ट में यूके के पहले अरबपति खिलाड़ी बन गए हैं। लिस्ट बनाने वालों के अनुसार, बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वे खिलाड़ियों में दूसरे स्थान पर हैं, जो पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन के परिवार से पीछे हैं, जिनकी संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार उत्तरी आयरलैंड के रोरी मैक्लरॉय 325 मिलियन पाउंड के साथ सातवें स्थान पर हैं, 37 साल के इस गोल्फर के लगातार दो मास्टर्स चैंपियन बनने के बाद। इस बीच, मैनचेस्टर यूनाइटेड के को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ यूके में कुल मिलाकर सातवें से नौवें स्थान पर आ गए हैं।

यूनाइटेड के पूर्व मिडफील्डर बेकहम अब अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के को-ओनर हैं, जो 1.45 अरब डॉलर (1.07अरब पाउंड) के साथ मेजर लीग सॉकर की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी होने का अनुमान है। 51 साल के बेकहम, जिन्हें नवंबर में नाइटहुड की उपाधि दी गई थी, एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके फैशन लेबल से आई है, जो शुरू में स्पाइस गर्ल्स की मेंबर के तौर पर मशहूर हुई थीं।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारूपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं।

सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है। ये दोनों ही उनकी जमकर तारीफ करते हैं। की ने आगे कहा, इसलिए जैसा कि हमें दिख रहा है, वह अपने क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। वह जिस तरह से अपना काम करती हैं उससे हम पूरी तरह से और अविश्वसनीय रूप से प्रभावित हैं। हॉपकिंसन की अनुपस्थिति के बारे में बताते हुए, की ने स्पष्ट किया, कार्ल हॉपकिंसन आज के क्रिकेट जगत के चलन के अनुसार फिलहाल मुंबई इंडियंस के साथ काम कर रहे हैं। उनके पास मुंबई इंडियंस के लिए काफी काम है, इसलिए हम भविष्य में निश्चित रूप से उनकी सेवाओं का उपयोग करेंगे, बस इस सीरीज के लिए नहीं। यह नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम है।

सैमसन को मिला पूर्व भारतीय कोच का समर्थन, कहा- भारत की टी20आई कप्तानी के लिए संजू मजबूत दावेदार

मुंबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री का मानना है कि संजू सैमसन राष्ट्रीय टीम की टी20आई कप्तानी के लिए एक दावेदार हैं। उन्होंने इसके पीछे इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) में राजस्थान रॉयल्स (RR) के पूर्व कप्तान के तौर पर उनके अनुभव और बल्ले से उनकी बढ़ती निरंतरता और परिपक्वता का हवाला दिया। दो महीने पहले सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने अपने घर पर ICC पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में सैमसन को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया था। उन्होंने 5 पारियों में कुल 321 रन बनाए जिसमें वेस्टइंडीज के खिलाफ 'सुपर आठ' के अहम मुकाबले से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ खिताबी मुकाबले तक, लगातार तीन अर्धशतक शामिल थे।

'The ICC Review' पर संजना गणेशन से बात करते हुए शास्त्री ने कहा, 'अगले (टी20) विश्व कप (2028 में) तक भारत एक नए कप्तान की तलाश में हो सकता है; यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अगले कुछ सालों में सूर्या का प्रदर्शन कैसा रहता है। लेकिन संजू सैमसन ने खुद को कप्तानी की भूमिका के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर पेश किया है, क्योंकि वह पहले भी राजस्थान (रॉयल्स) के लिए यह भूमिका निभा चुके हैं।' शास्त्री का कहना है कि सैमसन की आक्रामक बल्लेबाजी उन्हें टीम की प्लेइंग इलेवन में एक निश्चित जगह दिलाती है। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे लगता है कि यह तो बस शुरुआत है; अगले दो-तीन सालों में आप संजू से और भी बहुत कुछ देखने वाले हैं।'

सैमसन ने IPL में पांच सीजन राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी की है जिसमें 2022 का सीजन भी शामिल है, जब टीम उपविजेता रही थी। इंटरनेशनल क्रिकेट में सैमसन अपने करियर की सबसे बेहतरीन फॉर्म में हैं और उन्होंने IPL के मौजूदा सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के लिए भी उसी फॉर्म को बरकरार रखा है। इस सीजन में उन्होंने 11 पारियों में 53.75 की औसत और 169.29 के स्ट्राइक रेट से 430 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। इस साल टी20 मैचों में सैमसन ने 21 पारियों में 46.88 की औसत और 177.50 के स्ट्राइक रेट से 797 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं।

सैमसन की निरंतरता (consistency) को लेकर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन शास्त्री को अब ऐसा नहीं लगता कि यह कोई मुद्दा है, क्योंकि इस साल उनके खेल में एक नई तरह की परिपक्वता देखने को मिली है। शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि उसने (सैमसन ने) उन सभी सवालों पर विराम लगा दिया है। उसमें काबिलियत तो हमेशा से थी। असल में लोग इसलिए निराश होते थे क्योंकि वह अपनी उस काबिलियत के साथ न्याय नहीं कर पाता था।'

पूर्व भारतीय कोच ने आगे कहा, 'लेकिन इस सीजन में जिस तरह से उसने टी20 वर्ल्ड कप में अपने प्रदर्शन के बाद खेला है, जहां उसने अकेले दम पर भारत को कई मैच लगभग जिता ही दिए थे; बड़े मैच, क्वार्टर-फाइनल (वेस्टइंडीज, सुपर 8), सेमी-फाइनल, फाइनल–और जिस तरह से उसने आगे बढ़कर जिम्मेदारी संभाली है तथा IPL में अब जो परिपक्वता वह दिखा रहा है, उसे देखते हुए मेरी नजर में वह भविष्य में टीम की कप्तानी संभालने का एक मजबूत दावेदार बन गया है।'

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

लिस्बन । पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है। यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है। विश्वकप में पुर्तगाल को ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसे कोलंबिया, उज्बेकिस्तान और कांगो जैसी टीमों का सामना करना होगा। इस ग्रुप को देखते हुए, पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी बेहतर मानी जा रही है। विश्व कप 2022 में पुर्तगाल की टीम क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी पर मोरक्को से 1-0 से मिली अप्रत्याशित हार के साथ वह बाहर हो गयी थी। उस महत्वपूर्ण मुकाबले में रोनाल्डो दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान पर उतरे थे। इस बार, पुर्तगाल का पहला मुकाबला 17 जून को ह्यूस्टन में कांगो के खिलाफ खेला जाएगा। ग्रुप में कोलंबिया जैसी मजबूत टीम भी पुर्तगाल को कड़ी चुनौती दे सकती है।

कीरोन पोलार्ड ने चौथे अंपायर को कहे अपशब्द, मुंबई इंडियंस के कोच पर लगा भारी जुर्माना

धर्मशाला - मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर चौथे अंपायर के लिए अपशब्दों का उपयोग करने के लिए इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और उन पर उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह घटना मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच गुरुवार को यहां खेले गए मैच के दौरान घटी। मुंबई ने इस रोमांचक मुकाबले में छह विकेट से जीत हासिल की। IPL ने शुक्रवार सुबह जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा, 'मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल की खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करने के लिए उनकी लागू मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।' इसमें कहा गया है, 'पोलार्ड को IPL की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो 'मैच के दौरान स्पष्ट रूप से अभद्र भाषा का उपयोग' से संबंधित है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में घटी जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अपशब्द कहे।' पोलार्ड ने अपना अपराध स्वीकार किया और मैच रेफरी पंकज धरमानी द्वारा लगाए गए दंड को मान लिया। पोलार्ड पर पहले भी आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया जा चुका है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है।

प्रीति जिंटा ने कठिन समय में अपनी टीम पंजाब किंग्स का हौंसला बढ़ाया

धर्मशाला । आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की टीम को बेहतरीन शुरुआत के बाद पिछले पांच मैचों से लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। इसके बाद भी टीम की सह-मालकिन प्रीति जिंटा का समर्थन टीम को मिला है। प्रीति जिंटा ने लगातार अपनी टीम का हौंसला कठिन समय में बढ़ाया है। अपनी मुस्कान और सकारात्मक ऊर्जा से वह एक उम्मीद की किरण बनी हुई हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली करारी हार के बाद भी प्रीति खिलाड़ियों के साथ नजर आयीं। मुम्बई के खिलाफ मिली इस हार से पंजाब की प्लेऑफ की उम्मीदें जरुर कमजोर हुईं पर इस मौके पर भी प्रीति ने स्टेडियम में मौजूद टीम प्रशंसकों को टी-शर्ट बाँटकर उनका दिल जीता। सोशल मीडिया पर प्रीति और प्रशंसकों के बीच इस दौरान हुई बातचीत की तस्वीरें भी तेजी से वायरल हुईं, इसमें प्रशंसकों ने प्रीति के इस भाव की खूब सराहना की। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि प्रीति जिंटा अपनी टीम और उसके प्रशंसकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं।

हार्दिक पांड्या के भविष्य पर अटकलों के बीच शार्दुल ठाकुर का बड़ा बयान, कहा- कुछ सही हैं और कुछ गलत

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने कप्तान हार्दिक पंड्या के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच बड़ा बयान देते हुए कहा कि कुछ सही हैं, कुछ गलत। हालांकि उन्होंने यह साफ कर दिया कि पांड्या चोटिल होने के कारण पिछले तीन मैच में नहीं खेल पाए तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (चयऋ) के खिलाफ अगले मैच में वापसी कर सकते हैं। हार्दिक मुंबई की टीम के साथ धर्मशाला नहीं गए थे जहां उनकी टीम ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। सूर्यकुमार यादव भी अपने बच्चे के जन्म के कारण इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे और इसलिए जसप्रीत बुमराह ने कप्तानी की। वह इस सत्र में टीम के तीसरे कप्तान थे।

ठाकुर ने कहा, 'हार्दिक चोटिल है और इसलिए वह पिछले कुछ मैच में नहीं खेल पाए।' हार्दिक पीठ दर्द के कारण लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के खिलाफ भी मैच में नहीं खेल पाए थे। ठाकुर ने कहा, 'वह रायपुर (10 मई को RCB के मैच के लिए) गए थे, लेकिन खेल नहीं पाए। वह अभी मुंबई में अभ्यास कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि वह कोलकाता (20 मई को ईडन गार्डन्स) में खेलेंगे। उनके जैसे खिलाड़ियों की कमी हमें हमेशा खलती है।'

मुंबई इंडियंस की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक का इस दौरान प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसलिए फ्रेंचाइजी के साथ उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। ठाकुर ने इन अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया पर काफी चर्चाएं चल रही हैं, कुछ सही हैं, कुछ गलत। लेकिन उनके धर्मशाला नहीं आने का फैसला टीम प्रबंधन ने किया था।'

पंजाब किंग्स के खिलाफ ठाकुर ने 39 रन देकर चार विकेट लिए और मुंबई की जीत में अहम भूमिका निभाई। ठाकुर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह के साथ मेरा तालमेल अच्छा है। हमने काफी बातचीत की है। मुझे अन्य गेंदबाजों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से वह अपने विचार साझा करने में कभी संकोच नहीं करते।'

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष
चू चे चो ला ली
लू ले लो आ

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष
इ उ ए ओ वा
वी वू वे वो

आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन
का की कू घ ङ
छ के को हा

विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क
ही हू हे हो डा
डी डू डे डो

पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह
मा मी मू मे मो
टा टी टू टे

कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या
टो पा पी पू ष
ण ठ पे पो

पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला
रा री रु रे रो
ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक
तो ना नी नू ने
नो य यी यू

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु
ये यो भा भी भू
धा फा ढा भे

धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर
भे जा जी खी खू
खे खो गा गी

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ
गू गे गो सा
सी सू से सो दा

हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन
दी दू थ झ ञ दे
दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3890

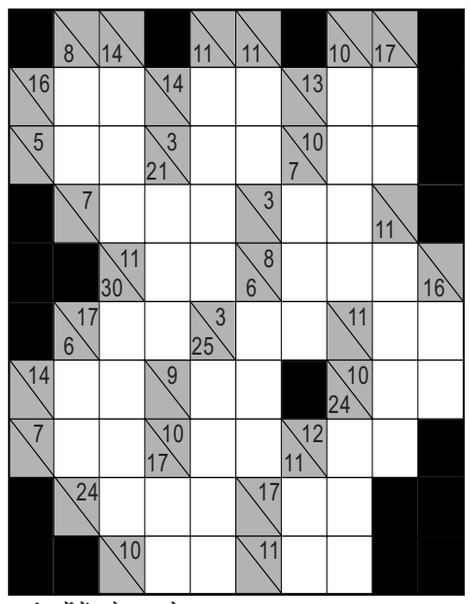

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

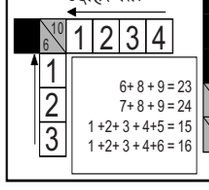

काकुरो - 3889 का हल

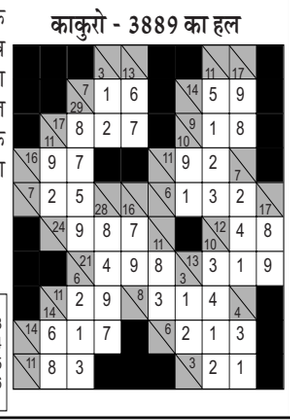

लॉफिंग ज़ोन

सीदा-साधा चमन लड़कियों से बहुत दूर भागता था। वह नए साल की पार्टी मनाने के लिए घर से निकला ही था कि सामने चौराहे पर एक सुंदर, सजी-धजी युवती पर उसकी निगाह पड़ी।

युवती ने भी उसे देखा और अपने हाथ के गुब्बारे उसकी ओर बढ़ाकर शरारत भरे अदाज में कहा- 'डार्लिंग...! अब चले... पार्टी मनाने।'

चमन लड़खड़ाकर बोला- नहीं! मैंने आज से लड़कियों से दूरी बनाने का संकल्प लिया है।

□ □ □

रमन- 'यार, कल रात घर पहुँचने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाता रहा, लेकिन किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला। आखिर मुझे रात बाहर ही गुजारनी पड़ी।'

चमन- 'फिर सुबह उठकर उन्हें डाँटा की नहीं?'

रमन- 'नहीं यार! कैसे डाँटता...। आँखें खुलने पर देखा तो पता चला कि मैं घर का नहीं बीयर बार का दरवाजा खटखटा रहा था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3890

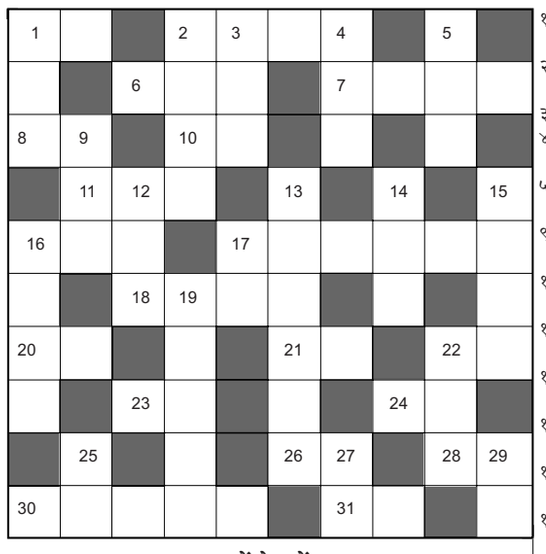

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3889

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		ही	रा
वाँ		स	ड़	क		ला	वा		खी
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठ्ठ		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डे
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

सूडोकु -3890

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3889 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3890

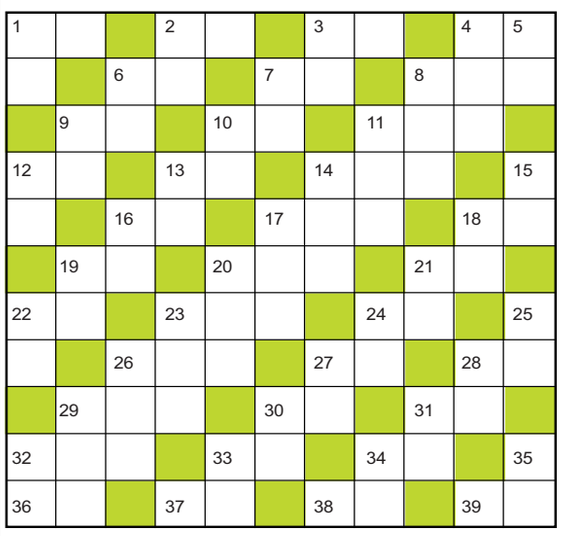

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली - 3889 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	ध	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		था	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

धूम्रपान लंग कैंसर को न्यौता

आज फेफड़ों में पनपने वाला कैंसर औरत और पुरूष दोनों की ही मौत का सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। अगर कोई इससे पीड़ित हो जाए, तो उसकी मौत लगभग निश्चित ही मानी जाती है। लुधियाना स्थित सिबिया मेडिकल सैंटर के निदेशक एवं साइटोट्रोन विशेषज्ञ डा. सीबिया का कहना है कि आज की यह सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गई है। आइए, इसका कारण जानने की कोशिश करें। ऐसा इस लिए होता है क्यों कि लगभग अस्सी प्रतिशत मरीजों में इस बीमारी का पता तभी चलता है जब बीमारी एडवांस अवस्था में पहुंच जाती है। यह शरीर के अन्य भागों को इस कदर जकड़ चुकी होती है कि इसका आपरेशन कर पाना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन हो जाता है। केवल 20 प्रतिशत मरीजों में ही आपरेशन की आशा रहती है। वैसे लंग कैंसर का सबसे बड़ा कारण धूम्रपान है। इस लिए लोगों को सबक लेते हुए धूम्रपान की आदत छोड़ देनी चाहिए और लगभग दस प्रतिशत केस ही ऐसे होते हैं जिनमें बीमारी का कारण धूम्रपान नहीं होता। वैसे, लंग कैंसर को दो भागों में बांटा जा सकता है:-

स्माल सेल लंग कैंसर
नान स्माल सेल लंग कैंसर।

स्माल सेल लंग कैंसर लगभग पंद्रह से बीस प्रतिशत मरीजों को अपना शिकार बनाता है लेकिन यह बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। नान स्माल सेल लंग कैंसर अधिकतर मरीजों को अपने शिकंजे में लेता है। अगर इस कैंसर का पता शुरूआती अवस्था में चल जाए तो इसका प्रकोप सीने तक हो होता है उसे एक छोटा सा आपरेशन करके निकाला जा सकता है। दुर्भाग्यवश, साठ से सत्तर प्रतिशत केसों में कैंसर का निदान होने तक ये शरीर के अन्य भागों तक पहुंच चुका होता है। जिसमें सर्जरी अनुपयुक्त हो जाती है, जो कि बीमारी का एकमात्र उपचार है।

फेफड़ा कैंसर के लक्षणः

लगातार सर्दी, खांसते समय खून आना. ठीक से सांस न ले पाना, गले में खराश या गला खराब होना, पेट खराब होना, वजन कम होना, थकावट, चेहरे या गर्दन में सूजन, बार-बार निमोनिया की शिकायत, छाती, कमर और कंधों में दर्द आदि। डा. सीबिया के अनुसार कई बार दर्द का मतलब होता है कि कैंसर शरीर के बाकी हिस्सों में भी पहुंच चुका है। दर्द का बार-बार उठना बिना कैंसर की संभावना के नहीं होता हैं क्यों कि शुरूआती कैंसर इतने दर्द भरे नहीं होते हैं इसलिए कैंसर का पता चल पाना कई बार बहुत ही मुश्किल हो जाता है और समय रहते इसका पता नहीं चल पाता। अधिकतर केसों में जब कैंसर शरीर के अन्य भागों तक पहुंच जाता है, तब मरीज कैंसर की जटिलता के कारण ही मर जाते हैं।

साइटोट्रोन चिकित्सा से लंग कैंसर का इलाज

डा. एस. एस. सीबिया के अनुसार, अब बिना शल्य क्रिया (सर्जरी) के ही साइटोट्रोन चिकित्सा से इस पर काबू पाया जा सकता है। बायो-इलेक्ट्रोनिक उत्तक के कारण जिस जगह को ठीक करना होता है, उस जगह पर साइटोट्रोन के द्वारा उगा तीव्रता वाला इलेक्ट्रो मैग्नेटिक बीम का प्रयोग किया जाता है। क्वांटम मैग्नेटिक रेजोनेंस (क्यूएमआर) पैदा करने वाली इस विधि से लंग कैंसर को बहुत हद तक ठीक किया जा सकता है। इस तरह शल्य चिकित्सा द्वारा फेफड़ों को काट कर हटाने की नौबत भी नहीं आती है।

सबसे बड़ी बात तो यह है कि इसमें रोगी को किसी प्रकार की तकलीफ का अनुभव भी नहीं होता है। रोटेशनल फील्ड क्वांटम मैग्नेटिक रेजोनेंस (आरएफक्यूएमआर) एक ऐसी तकनीक है, जो उगा तीव्रता वाले इलेक्ट्रोमैग्रेटिक बीम उत्पन्न करता है। लंग कैंसर से छुटकारा पाने का यह सबसे आसान व सुरक्षित उपाय है।

दिमाग को रखिए दुरुस्त

पालक खाएँ स्मृति को सलामत रखें

हर शख्स चाहता है कि उसका दिमाग आखिरी वक्त तक चुस्त-दुरुस्त और युवा बना रहे। याददाश्त हमेशा उम्दा रहे, पर हकीकत में सबके साथ ऐसा नहीं होता, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोशिकाओं के निर्माण की प्रक्रिया क्रमशः क्षीण होने लगती हैं।

साऊथ फ्लोरिडा विश्वविद्यालय में एक शोध हुआ। इससे पता चला है कि हरी पत्तेदार सब्जियाँ- खासकर मेथी, पालक, सरसों, चौलाई व शलजम को आहार में खास स्थान देने से व्यक्ति का दिमाग वृद्धावस्था में भी चुस्त-दुरुस्त व युवाओं की तरह सक्रिय बना रह सकता है।

शोधकर्ताओं ने परीक्षण के तहत कुछ चूहों को इंजेक्शन के जरिए पालक का रस दिया और शेष चूहों को नहीं। अध्ययन से पता चला कि जिन चूहों को पालक का इंजेक्शन दिया गया, वे किसी प्रक्रियात्मक व्यवहार को तेजी से सीखने में सफल रहे।

इसके विपरीत जिन चूहों को इंजेक्शन नहीं दिया गया, वे ऐसा नहीं कर सके। शोधकर्ताओं की राय में हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन (खासकर विटामिन सी व ई) और खनिज लवण प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही इनमें कई 'एंटीऑक्सीडेंट' भी उपलब्ध रहते हैं, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं के क्षीण होने की प्रक्रिया को कम करते हैं। नतीजतन उम्र ढलने के बाद भी आपकी दिमागी सक्रियता व याददाश्त उम्दा बनी रहती है।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

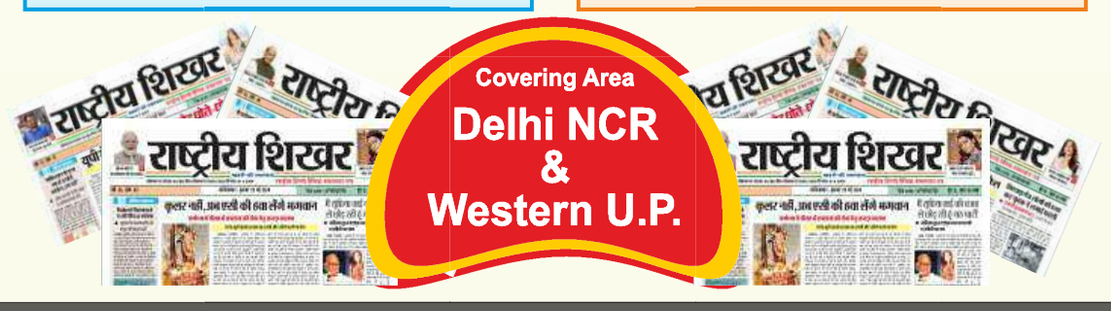

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

मकसद महत्वपूर्ण है, झंडे नहीं: दिलजीत दोसांझ

हाल ही में कनाडा के कैलगरी में हुए अपने कॉन्सर्ट के दौरान गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ ने झंडों और बैनरों को लेकर उत्पन्न हुए विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कॉन्सर्ट में भीड़ के कुछ सदस्यों द्वारा खालिस्तान के समर्थन में झंडे लहराए गए, जिस पर दिलजीत दोसांझ ने स्टेज से ही कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने खालिस्तानी समर्थकों से कहा कि वे अपने झंडे कहीं और ले जाएं और इस जगह का इस्तेमाल उसी उद्देश्य के लिए करें जिसके लिए यह बनी है—यानी संगीत और मनोरंजन। दिलजीत ने आगे बताया कि कॉन्सर्ट में बाधा डालने और उनके खिलाफ विरोध के तौर पर झंडों का इस्तेमाल करने के कारण ही उन व्यक्तियों को हटाया गया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया के स्टोरीज सेक्शन में इसे एक फेक नैरेटिव करार दिया। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वह किसी को भी अपने प्रशंसकों को परेशान करने या उनके शो में रुकावट डालने की कोशिश को बर्दाश्त नहीं करेंगे। दिलजीत ने पंजाबी में एक विस्तृत पोस्ट साझा करते हुए अपनी बात रखी। उन्होंने लिखा, बाहर खड़े होकर कोई भी विरोध प्रदर्शन कर सकता है, लेकिन अगर आप अंदर आकर मेरे फैंस को परेशान करने की कोशिश करेंगे, तो यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने झंडों और बैनरों के सही उपयोग और गलत इरादों के बीच का अंतर समझाया। दिलजीत ने कहा, अगर कोई बैनर या झंडा लाता है, तो इसका मतलब है कि वे दिखाना चाहते हैं कि वे किसी खास जगह से आए हैं और हमें समर्थन देने आए हैं। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी, अगर आप वही बैनर लेकर बाहर खड़े होकर मेरे फैंस को गाली देंगे, और फिर वही काम वेन्यू के अंदर करने की कोशिश करेंगे, तो मैं यह बर्दाश्त नहीं करूंगा। यह किसी खास बैनर या झंडे के बारे में नहीं है। बात इसके पीछे के मकसद की है। इस बयान के साथ, दिलजीत ने स्पष्ट संदेश दिया कि उनके लिए अपने दर्शकों का अनुभव और कॉन्सर्ट का शांतिपूर्ण माहौल सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जो भी कॉन्सर्ट को खराब करने की कोशिश करे, उसे तुरंत बाहर किया जाए। उन्होंने फिर से दोहराया कि उन्होंने किसी विशेष बैनर के लिए कुछ नहीं कहा, बल्कि गलत इरादों के खिलाफ अपनी आवाज उठाई। उन्होंने फेक नैरेटिव फैलाने वालों को फटकार लगाते हुए कहा, मैंने पिछले साल तो इस बात को नजरअंदाज कर दिया, लेकिन अब और नहीं। धन्यवाद। दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार के लिए, जो अक्सर अपने संगीत के माध्यम से एकता और खुशी का संदेश देते हैं, इस तरह के विवाद उनके लिए एक संवेदनशील मुद्दा रहे हैं, और उन्होंने इस बार इसे पूरी गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका ऐतराज कभी भी किसी विशेष झंडे या बैनर से नहीं था, बल्कि उनके पीछे के गलत मकसद पर था।

वरुण और पूजा की केमिस्ट्री ने जीता दिल

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का नया रोमांटिक गाना 'तेरा हो जाऊं' रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। गाने में वरुण धवन और पूजा हेगड़े की शानदार केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। दोनों की फ्रेश जोड़ी स्क्रीन पर एक अलग ही ऊर्जा और रोमांटिक एहसास लेकर आई है, जिसने युवाओं के बीच इस गाने को तेजी से लोकप्रिय बना दिया है। वरुण धवन की सहज अदायगी और पूजा हेगड़े की ग्रेसफुल मौजूदगी ने गाने को खास बना दिया है। इस गाने को स्टेबिन बेन और जोनिता गांधी ने अपनी मधुर आवाज दी है। वहीं, इसका संगीत व्हाइट नॉइज़ कलेक्टिव्स ने तैयार किया है और बोल वायु ने लिखे हैं। गाने में आधुनिक रोमांस को बेहद खूबसूरती से पेश किया गया है, जिसकी वजह से यह इंस्टाग्राम रील्स और म्यूजिक प्लेलिस्ट्स में तेजी से ट्रेंड कर रहा है। दर्शकों का कहना है कि लंबे समय बाद ऐसा रोमांटिक ट्रैक आया है, जो सीधे दिल को छूता है। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' को डेविड धवन निर्देशित कर रहे हैं। टिप्स फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह बना हुआ है और अब इस गाने ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है: दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है। दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली। दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

वेनिस में राधिका का रॉयल अंदाज

राधिका अंबानी एक बार फिर अपने शानदार फैशन सेंस को लेकर चर्चा में हैं। वेनिस बिएनाले में उनका बेहद रॉयल और एलिगेंट लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अंबानी परिवार की छोटी बहू राधिका ने इस खास मौके पर आइवरी और गोल्डन टोन वाला ऑफ-शोल्डर गाउन पहना, जिसमें वह किसी डिज्नी प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं। उनके इस लुक ने फैशन प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। राधिका के गाउन का डिजाइन बेहद खास था। ड्रेस के ऊपरी हिस्से को ड्रेप्ड कॉर्सेट लुक दिया गया था, जिससे उनके पूरे आउटफिट को शानदार स्ट्रक्चर मिला। वहीं कमर के नीचे से गाउन का फ्लेयर्ड डिजाइन उसे और भी भव्य बना रहा था। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में राधिका का रॉयल अंदाज साफ नजर आ रहा है। राधिका ने अपने मेकअप को बेहद सिंपल और नेचुरल रखा। सॉफ्ट ब्राउन आई मेकअप और न्यूड पिंक लिप शेड ने उनके चेहरे की खूबसूरती को और निखार दिया। उन्होंने भारी ज्वेलरी की जगह सिर्फ गोल्डन फ्लोरल ईयररिंग्स और एक स्टेटमेंट रिंग पहनी, जिसने उनके पूरे लुक को क्लासी बना दिया। फैंस राधिका के इस अंदाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं।

इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, 卐मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।卐 यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है।

इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी। हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है।卐 फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर बना रही पहचान

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद बॉलीवुड की एक और अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने की तैयारी कर रही हैं। दिशा पाटनी की पहली इंटरनेशनल फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसने काफी चर्चा बटोर ली है। यह फिल्म एक काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया की कहानी पर आधारित है। 'स्टेटिगार्ड्स वर्सेज होलीगार्ड्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की यह पहली कड़ी है। फिल्म की कहानी लाडो ओखोटनिकोव ने तैयार की है। इसमें दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में संतुलन और नियम बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग विचारधारा और नई दिशा का समर्थन करता है। इसी टकराव के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सबसे अहम भूमिका में नजर आता है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी युवती के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी गुटों से है। वह दोनों पक्षों के नेताओं की बेटी है और इसी वजह से उसे दो दुनियाओं के बीच एक मजबूत कड़ी माना जाता है। कहानी में दुनिया का भविष्य उसके फैसलों पर निर्भर करता दिखाई देता है। ट्रेलर में यह भी दिखाया गया है कि जेसिका अपनी रहस्यमयी शक्तियों को समझने और नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी असली पहचान खोजने और सही रास्ता चुनने की जिम्मेदारी भी है। ट्रेलर में दिशा पाटनी के कई दमदार एक्शन दृश्य देखने को मिलते हैं। वह तलवारबाजी से लेकर रहस्यमयी शक्तियों का इस्तेमाल करती नजर आती हैं। उनके एक्शन सीक्वेंस और स्क्रीन प्रेजेंस ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। फिल्म की स्टार कास्ट भी काफी मजबूत मानी जा रही है। दिशा पाटनी के साथ हॉलीवुड अभिनेता केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। दिशा पाटनी ने फिल्म को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि पहली इंटरनेशनल फिल्म में काम करना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए उन्हें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला।

पिता हमेशा कहा करते थे, लगे रहो बेटे, काम करते रहो: ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल के लिए हमेशा ही सबसे बड़ी प्रेरणा उनके दिवंगत पिता अभिनेता धर्मेंद्र की सीख और विश्वास रहा है। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान ईशा ने अपने नए बिजनेस के बारे में बात करते हुए भावुक अंदाज में बताया कि उनके पिता हमेशा उनकी रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करते थे। अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की हिम्मत देते थे।

ईशा ने मुंबई के रियल एस्टेट समूह 'द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' के साथ मिलकर अलीबाग में लग्जरी विला डिजाइन प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वह और उनके पिता घंटों तक अलग-अलग जगहों की बनावट, घरों की संरचना और साधारण स्थानों की खूबसूरती पर चर्चा किया करते थे। उन्होंने कहा कि उनके पिता अक्सर उन्हें एक ही बात कहते थे 'लगे रहो बेटे, करते रहो।' ईशा के मुताबिक यही शब्द आज भी उन्हें प्रेरित करते हैं और आगे बढ़ने का हौसला देते हैं। उन्होंने कहा कि पिता के विश्वास ने ही उन्हें अपने इस सपने को साकार करने की ताकत दी। अपने नए डिजाइन कारोबार का नाम ईशा ने 'ईशा धर्मेंद्र देओल डिजाइन' रखा है। इस नाम के पीछे भी पिता से जुड़ी एक खास भावना है। उनके बिजनेस के लोगो में लालटेन का प्रतीक बनाया गया है, जिसे धर्मेंद्र ने खुद अपने हाथों से तैयार किया था।

ईशा ने बताया कि यह लालटेन उनके लिए केवल एक डिजाइन नहीं, बल्कि पिता के प्यार और आशीर्वाद की निशानी है। उन्होंने कहा कि वह इस रोशनी को अपने काम के जरिए आगे बढ़ाना चाहती हैं। ईशा ने सोशल मीडिया पर भी अपने इस नए सफर की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि वह अपने इस सपने को एक नई पहचान दे रही हैं और यह हमेशा अपने पिता को समर्पित रहेगा। उनकी इस पहल को परिवार का भी पूरा समर्थन मिला। अभिनेता बॉबी देओल ने उनकी पोस्ट साझा करते हुए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि ईशा इस क्षेत्र में भी शानदार काम करेंगी। गौरतलब है कि धर्मेंद्र का नवंबर 2025 में मुंबई स्थित उनके जूहू आवास पर निधन हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता 19 वर्षीय अमेरिकी सैनिक मारिया सिमोन का शव 12 दिन बाद बरामद

रबात, एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए दूसरे अमेरिकी सैनिक का शव मिला है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को यह जानकारी दी। 19 वर्षीय मारिया सिमोने कोलिंगटन फ्लोरिडा के टावेरेस की निवासी थीं। वह मोरक्को में एक मनोरंजक पदयात्रा के दौरान एक चट्टान से गिर गई थीं। कोलिंगटन एयर एंड मिसाइल डिफेंस क्रू मेंबर के रूप में कार्यरत थीं। वह चार्ली बैटरी, 5वीं बटालियन, चौथी एयर डिफेंस आर्टिलरी रेजिमेंट में तैनात थीं। इससे पहले, पिछले सप्ताह पहले सैनिक, केंड्रिक लैमोंट की का शव भी बरामद किया गया था। दोनों सैनिक 2 मई को 'अफ्रीकन लायन' सैन्य अभ्यास के बाद लापता हुए थे। इस घटना से जुड़े विवरणों की अभी भी जांच की जा रही है।

फ्लोरिडा विमान दुर्घटना : पांच घंटे तक फंसे रहे 11 यात्री, अमेरिकी सेना ने बचाया

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका में फ्लोरिडा तट पर हुई विमान दुर्घटना के बाद 11 लोग पांच घंटे तक जीवन रक्षक बेड़े पर फंसे रहे। अमेरिकी सेना ने कड़ी मशक्कत के बाद इन्हें सुरक्षित बचाया। मंगलवार को इंजन फेल होने के बाद पायलट ने विमान को वेरो बीच से करीब 80 किलोमीटर दूर पानी में उतारा था। बहामास से फ्रीपोर्ट जा रहे विमान की आपात लैंडिंग के बाद पायलट ने 10 यात्रियों सहित खुद को जीवन रक्षक बेड़े पर पहुंचाया। तीन लोगों को मामूली चोटें थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आपात परिस्थिति में पांच घंटे तक सभी लोग तूफान के बीच मदद का इंतजार करते रहे। विमान में लगे आपातकालीन संकेतक की मदद से तटरक्षक बल को अलर्ट मिला, जिसके बाद वायु सेना रिजर्व के बचाव दल ने सभी लोगों का रेस्क्यू किया। वायुसेना अधिकारी मेजर एलिजाबेथ पिओवाटी ने पायलट के प्रयासों को चमत्कारी बताया। पायलट समेत सभी 11 लोगों को मेलबर्न ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। संघीय विमानन प्रशासन दुर्घटना की जांच कर रहा है।

ब्राजील में चुनाव से पांच महीने पहले फंसे सीनेटर बोल्सोनारो, 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर मांगने के आरोप

ब्रासीलिया , एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील में इसी साल अक्तूबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव से पांच महीने सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो पर एक बैंकर से लाखों रुपये मांगने के आरोप लगे हैं।बुधवार को जेल में बंद बैंकर डैनियल वोरकारो से लाखों रुपये मांगने के आरोप सामने आने के बाद उन्होंने इसे सिरे से खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि ये गंभीर आरोप राष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवारी को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इंटरसेप्ट ब्राजील ने वोरकारो के वॉइस मैसेज के हवाले से जारी ब्योरे प्रकाशित किए हैं। इनमें बोल्सोनारो ने कथित तौर पर अपने पिता जायर बोल्सोनारो के जीवन पर फिल्म 'द डार्क हॉर्स' की एवज में 61 मिलियन रियाल (करीब 12 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मांगते सुने गए हैं। वोरकारो ब्राजील में भ्रष्टाचार और घोटाले के एक बड़े केंद्र के रूप में बदनाम हैं। फ्लेवियो बोल्सोनारो ने किसी अवैध लाभ की पेशकश या पैसा लेने से इन्कार किया है। राजनीतिक सलाहकार थॉमस ट्रॉमन के मुताबिक यह घोटाला बोल्सोनारो के अभियान को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। बता दें कि वोरकारो को मार्च में गिरफ्तार किया गया था। नवंबर में देश के केंद्रीय बैंक के सख्त आदेश के बाद बैंको मास्टर बंद हो गया।

नोबेल विजेता नर्गिस मोहम्मदी को लंबे इलाज की जरूरत, स्वास्थ्य गंभीर

तेहरान, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी को महीनों तक चलने वाले लंबे इलाज की आवश्यकता है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने बुधवार को दी। ईरान की जेल में बेहोश होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। एंजियोग्राफी से पता चला कि उनकी दो मुख्य धमनियों में महत्वपूर्ण रुकावट है। 2024 के बाद से उनकी बीमारी बढ़ी है और सेहत काफी बिगड़ गई है। 1 मई को उन्हें जेल से अस्पताल ले जाया गया। लगभग 10 दिन बाद जमानत पर रिहा कर उन्हें तेहरान के अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बाहरी तनाव से मुक्त वातावरण में आठ महीने के इलाज की सिफारिश की है। उनका रक्तचाप लगातार घटता-बढ़ता रहता है। ऐसे में फाउंडेशन बिना शर्त तत्काल रिहाई की मांग की है। उन्हें 2023 में नोबेल पुरस्कार मिला था।

35 साल की महिला ने पति को जहर देकर मारा: बच्चों के लिए किताब भी लिखी, अब अदालत से आजीवन कारावास

पार्क सिटी (यूटा), एजेंसी। अमेरिका के यूटा राज्य की एक महिला को उसके पति की हत्या के मामले में बिना पैरोल उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। बुधवार को एक जज ने यह फैसला सुनाया। महिला ने अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए एक ऐसी किताब लिखी थी, जिसमें उनके पिता को खोने के दुख के बारे में बताया गया था।

कोरी रिचिन्स नाम की इस महिला को मार्च महीने में हत्या का दोषी पाया गया था। उस पर आरोप था कि उसने साल 2022 में पार्क सिटी के पास घर में अपने पति एरिक रिचिन्स के कॉकटेल ड्रिंक में फेंटेनाइल (बहुत तेज असर करने वाली दर्द कम करने की दवा) को मात्रा से पांच गुना ज्यादा मिलाकर उसे मार दिया। जूरी ने कोरी रिचिन्स को चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी माना। इनमें बीमा धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज बनाना और हत्या की कोशिश जैसे मामले शामिल हैं। आरोप था कि उसने वैलेंटाइन डे से कुछ हफ्ते पहले भी अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर जहर देने की कोशिश की थी। बचाव पक्ष ने कहा है कि वह इस फैसले और सजा के खिलाफ अपील करेगा। जज रिचर्ड मराजी ने सजा सुनाते समय कहा, जो व्यक्ति ऐसे अपराध करता है, वह कभी भी आजाद रहने के लायक नहीं है। जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन था। सरकारी वकीलों ने कहा कि 35 साल की कोरी रिचिन्स रियल एस्टेट का काम करती थी और घर

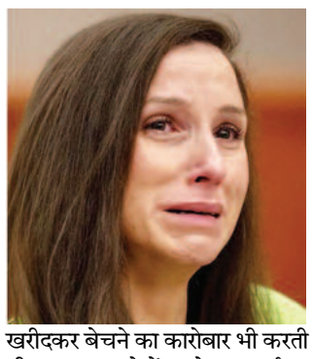

खरीदकर बेचने का कारोबार भी करती थी। उस पर करोड़ों रुपये का कर्ज था और वह किसी दूसरे आदमी के साथ नया जीवन शुरू करने की योजना बना रही थी। जांच में यह भी सामने आया कि उसने अपने पति की जानकारी के बिना उनके नाम पर कई जीवन बीमा पॉलिसी खुलवाई थीं। उसे यह गलतफहमी थी कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से ज्यादा की संपत्ति मिल जाएगी।

कोरी रिचिन्स जेल की हरे रंग की वर्दी पहनकर अदालत में खड़ी हुई और अपने बेटों से (जो अदालत में मौजूद नहीं थे) कहा- कृपया मुझसे उम्मीद मत छोड़ना। कोरी रिचिन्स को कई दशक से लेकर पूरी जिंदगी तक जेल में रहना पड़ सकता है। वह लगातार खुद को निर्दोष बताती रही है। बुधवार को भी उसने कहा कि अदालत का फैसला 'पूरी तरह झूठ' है। जूरी ने उसे चार अन्य अपराधों में भी दोषी पाया। इनमें वैलेंटाइन डे के समय अपने पति को फेंटेनाइल मिला सैंडविच देकर मारने की कोशिश का मामला भी शामिल था। एरिक रिचिन्स के पिता यूजीन रिचिन्स ने जज से अपील की कि कोरी को बिना पैरोल उम्रकैद की सजा दी जाए, ताकि उनके पोतों की सुरक्षा हो सके। जब एरिक की मौत हुई थी, तब उनके तीनों बेटे 9, 7 और 5 साल के थे। उन्होंने अदालत में कहा, यह सजा जरूरी है ताकि एरिक के तीनों बेटे कभी इस डर में न जिएं कि उनके पिता की जान लेने वाली महिला फिर उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। यह मामला साल 2023 में काफी चर्चा में आया था। कोरी रिचिन्स को उस समय गिरफ्तार किया गया था, जब वह अपने बच्चों के लिए लिखी उस किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक लड़के के अपने पिता की मौत के दुख से उबरने की कहानी थी। बेटों ने कहा- हमें अपनी मां से डर लगता है। कोरी की भाभी केटी रिचिन्स बेंसन ने कहा कि ये बच्चे किसी किताब की कहानी का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उनकी जिंदगी कोरी की वजह से ऐसे ही दर्द और दुख में बदल गई है। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अदालत में बच्चों के लिखे पत्र पढ़कर सुनाए। तीनों बेटों ने कहा कि अगर उनकी मां जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे।

बच्चों को दिखाती थी डरावने वीडियो : जब बच्चे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब उनकी मां उन्हें डराने के लिए युद्ध से प्रभावित इलाकों में भूखे बच्चों के वीडियो दिखाती थी। अब 11 साल के हो चुके बीच वाले बेटे ने कहा, आपने सिर्फ लालच की वजह से मेरे पापा को हमसे छीन लिया और आपको सिर्फ अपने बारे में और अपने बेकार बॉयफ्रेंड की चिंता थी। उसने कहा कि उसे अपने छोटे भाई का माता-पिता बनकर ध्यान रखना पड़ता था, क्योंकि उसकी मां उनकी देखभाल नहीं करती थी। उसने यह भी कहा कि उसकी मां उसे उसके पिता की तरफ वाले बिस्तर पर बैठने से डराती थी और कहती थी कि वह भी मर सकता है। अब 13 साल के बड़े बेटे ने कहा कि उसे भी अपने भाइयों का ध्यान रखना पड़ता था, लेकिन उसका छोटा भाई 'ज्यादातर मेरा ख्याल रखता था क्योंकि मैं कमरे में बंद रहता था।' उसने कहा कि उसकी मां शराब पीकर उसे लगभग हर दिन कमरे में बंद कर देती थी। अपने बेटों की बातें सुनने के बाद कोरी रिचिन्स ने अदालत में कहा- मैं हमेशा तुम्हारी सुरक्षा को सबसे ज्यादा अहमियत दूंगी।

किन आरोपों में कितनी सजा हो सकती है : सबसे गंभीर आरोप हत्या की कोशिश का है। इसमें 25 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती थी या बिना पैरोल पूरी जिंदगी जेल में रहना पड़ सकता था। सरकारी वकीलों ने मौत की सजा की मांग नहीं की थी। हत्या की कोशिश के मामले में सजा इस बात पर निर्भर करेगी कि पीड़ित को कितनी गंभीर चोट लगी। सरकारी वकीलों ने बताया कि पत्नी की ओर से दिया गया सैंडविच खाने के बाद एरिक रिचिन्स के शरीर पर लाल चकत्ते पड़ गए थे। एरिक ने अपने बेटे का एपिपेन इंजेक्शन लगाया, बेनाड्रिल की पूरी बोतल पी और फिर बेहोश हो गए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना और लड़ाकों के बीच मुठभेड़, मेजर समेत पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना ने एक बड़े संयुक्त अभियान में सात लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के एक मेजर समेत पांच सैनिकों की भी मौत हो गई। यह जानकारी पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार देर रात जारी बयान में दी।

आईएसपीआर ने क्या जानकारी दी : आईएसपीआर के अनुसार, बलूचिस्तान के बरखान जिले के मार्कहम के नोशाम इलाके में पाकिस्तान सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कॉर्प्स ने संयुक्त क्लीन-अप ऑपरेशन चलाया। खुफिया जानकारी के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों और लड़ाकों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई।

सेना ने कहा- सात लड़ाके मारे गए : सेना के बयान में कहा गया कि अभियान के दौरान सात लड़ाके मारे गए। हालांकि इस दौरान एक फील्ड ऑफिसर यानी मेजर समेत पांच सैनिकों की भी जान चली गई। मारे गए सैनिकों की पहचान फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है। कार्रवाई के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान भी चलाया।

इस दौरान लड़ाकों के कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किए जाने का दावा किया गया है। सेना ने कहा कि इलाके में बाकी लड़ाकों की तलाश के लिए अभियान अभी जारी है। पाकिस्तानी सैनिकों का बलूचिस्तान में बड़ा अभियान बलूचिस्तान में इस साल सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियान चलाए हैं। मार्च में हरनाई और बसीमा जिलों में हुए ऑपरेशन में 15 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था, जबकि फरवरी में झोब जिले में 10 लड़ाके मारे गए थे। दरअसल, बलूचिस्तान लंबे समय से हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित रहा है। यहां सक्रिय सशस्त्र समूह अक्सर सुरक्षा बलों और सरकारी ढांचे को निशाना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान सरकार कई हमलों के लिए बलूच लिबरेशन आर्मी और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराती रही है।

जर्मनी में डॉक्टर ने 12 साल तक 100 से ज्यादा बच्चों का किया यौन शोषण और रेप

बर्लिन, एजेंसी। हाल ही में जर्मनी से एक बेहद शर्मनाक और हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां बर्लिन के पास ब्रैंडनबर्ग में एक पीडियाट्रिशियन पर 100 से ज्यादा बच्चों के साथ दरिंदगी के आरोप लगे हैं। जानकारी के मुताबिक शख्स ने 12 सालों तक कई बच्चों का बलात्कार और यौन शोषण किया। उस पर ऐसे कम से कम 130 मामले दर्ज किए गए हैं।

बुधवार को शहर की एक अदालत में सुनवाई के दौरान डॉक्टर की इस हैवानियत का खुलासा हुआ। 46 वर्षीय इस डॉक्टर पर आरोप है कि उसने अपनी ड्यूटी के दौरान ही इन घिनौनी वारदातों को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने ब्रैंडनबर्ग के क्लीनिक में काम करते हुए मासूम बच्चों को अपना निशाना बनाया। यह सिलसिला दिसंबर 2013 में ही शुरू हो गया था और पिछले साल 5 नवंबर तक वह बच्चों को अपना शिकार बनाता रहा।

जर्मन अखबार 'बिल्ड' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस डॉक्टर के कुकर्मों का पर्दाफाश तब हुआ जब नवंबर 2025 में अस्पताल में एक इलाजरत एक बच्ची की मां को डॉक्टर पर शक हुआ। महिला ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने नवंबर 2025 में उसे गिरफ्तार कर लिया था। जांच के दौरान उसके पास से कई चौंकाने वाली चीजें मिलीं। उसके घर से कई डेटा स्टोरेज डिवाइस भी बरामद हुए, जिससे महिला के आरोप पुख्ता हो गए। आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में है और मामले की सुनवाई चल रही है।

इससे पहले फ्रांस से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया था। यहां सर्जन जोएल ले स्काउर्नेक एक सर्जन ने भी कई सालों तक अपने मरीजों को ही अपनी हवस का शिकार बनाया। मई 2025 में उसे 20 साल की सजा सुनाई गई थी। उस डॉक्टर पर 1989 से 2014 के बीच 298 मरीजों का यौन शोषण करने के आरोप हैं। इनमें से ज्यादातर मरीजों की उम्र 15 साल से कम थी।

फ्रांस के शहर बोर्डो में खड़े क्रूज शिप 'एंबिशन' पर नोरोवायरस संक्रमण की पुष्टि, यात्रियों को उतरने की अनुमति

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र बोर्डो में खड़े क्रूज शिप एंबिशन पर यात्री नोरोवायरस (वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस) की चपेट में आ गए हैं। इस बात की पुष्टि गिरोंद प्रीफेक्चर ने बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी बयान में की। इसके मुताबिक फिलहाल वायरस के किसी भी गंभीर मामले की सूचना नहीं है। जिन लोगों में संक्रमण के लक्षण नहीं हैं, उन्हें जहाज से उतरने की अनुमति दी गई है। ब्रिटिश कंपनी एंबेसडर क्रूज लाइन द्वारा संचालित 'एंबिशन' मंगलवार शाम बोर्डो पहुंचा था। जहाज पर लगभग 90 वर्षीय एक यात्री की मौत के बाद करीब 1,700 यात्रियों और क्रू सदस्यों को जहाज से उतरने से रोक दिया गया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, 90 वर्षीय एक यात्री की मौत का संबंध गैस्ट्रोएंटेराइटिस जैसे संक्रमण से हो सकता है। जहाज पर

करीब 80 लोग पेट संबंधी बीमारीकी चपेट में हैं। बाद में बोर्डो यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में किए गए महामारी विज्ञान और जैविक परीक्षणों में इस संक्रमण के फैलने की पुष्टि हुई। बयान में कहा गया है कि संक्रमित लोगों को जहाज पर अलग-थलग रखा जाएगा। क्वारंटीन और स्वच्छता संबंधी उपाय जारी रहेंगे। आगे यात्रा जारी रखनी है या नहीं, इस पर अंतिम फैसला मेडिकल रिपोर्ट मिलने के बाद क्रूज ऑपरेटर करेगा। अत्यधिक संक्रामक नोरोवायरस तीव्र गैस्ट्रोएंटेराइटिस का एक सामान्य कारण है और क्रूज शिप जैसे बंद स्थानों में तेजी से फैलने के लिए जाना जाता है। इस बीच हंतावायरस को लेकर भी चिंता बनी हुई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने मंगलवार को कहा था कि संक्रमणग्रस्त क्रूज शिप एमवी होंडियस से यात्रियों को निकाले जाने के बाद आने वाले हफ्तों में हंतावायरस के और मामले सामने आ सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम फिलहाल कम है।

टेड्रोस ने मैड्रिड स्थित मोन्क्लोआ पैलेस में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, 'वायरस की अवधि को देखते हुए आने वाले हफ्तों में और मामले सामने आना संभव है।' अब तक हंतावायरस से जुड़े 11 मामले सामने आए हैं, जिनमें तीन लोगों की मौत हो चुकी है। इन 11 मामलों में से नौ की पुष्टि एंडीज वायरस संक्रमण के रूप में हुई है, जबकि बाकी दो संभावित मामले माने जा रहे हैं।

मैक्रों थप्पड़ विवाद: पत्रकार का दावा- ईरानी अभिनेत्री से चैट देख भड़कीं थीं फ्रांस के राष्ट्रपति की पत्नी

पेरिस, एजेंसी। 2025 में वियतनाम में विमान से उतरते समय ब्रिगिट मैक्रों ने अपने पति इमैनुएल मैक्रों को धक्का दिया था। एक नई किताब के अनुसार, यह घटना इमैनुएल द्वारा एक ईरानी अभिनेत्री को भेजे गए संदेशों के कारण हुई थी। इस घटना ने 2025 में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। दंपती ने इसे मजाक बताकर खारिज कर दिया था। ब्रिगिट मैक्रों ने पति इमैनुएल को क्यों मारा धक्का? नई किताब में खुलासा फ्लोरियन टार्डिफ की नई किताब 'अन कपल (प्रेस्क) पारफे' में यह दावा किया गया है। टार्डिफ ने बताया कि ब्रिगिट, इमैनुएल के निर्वासित ईरानी-फ्रांसीसी अभिनेत्री गोल्शिफतेह फराहानी को भेजे गए संदेशों से नाराज थीं। पेरिस मैच पत्रिका के राजनीतिक संवाददाता टार्डिफ का आरोप है कि 73 वर्षीय ब्रिगिट को डर था कि उनके 48 वर्षीय पति अभिनेत्री के लिए उन्हें छोड़ सकते हैं। संबंध केवल भावनात्मक? 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां फराहानी ने पत्रकारों के सवालों पर अफेयर की अफवाहों से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उनका संबंध केवल भावनात्मक था। टार्डिफ ने आरटीएल रेडियो को बताया कि संदेशों की सामग्री 'काफी आगे' बढ़ गई थी। इसमें 'आप बहुत सुंदर लगती हैं' जैसी टिप्पणियां शामिल थीं। दंपती के एक करीबी व्यक्ति ने टार्डिफ को यह जानकारी दी। फ्रांस के राष्ट्रपति ब्रिगिट की नाराजगी ब्रिगिट ने एक ऐसा संदेश पढ़ा था जो उन्हें कभी नहीं पढ़ना चाहिए था। इसके बाद उनके बीच 'सामान्य से अधिक लंबा और कठोर विवाद' हुआ। पेरिस मैच में प्रकाशित एक अंश के अनुसार, ब्रिगिट को संदेश की सामग्री से उतना दुख नहीं हुआ जितना उसके निहितार्थ से हुआ। उन्हें लगा कि यह एक संभावना की ओर इशारा कर रहा है। प्रथम महिला के एक मित्र ने लेखक को बताया कि उन्हें लगा जैसे उन्हें मिटाया जा रहा है।

दावों का खंडन : हालांकि, ले पेरिसियन के अनुसार, ब्रिगिट के एक करीबी सूत्र ने मार्च 2026 में टार्डिफ द्वारा साक्षात्कार किए जाने पर इन दावों का 'स्पष्ट रूप से खंडन' किया। सूत्र ने जोर देकर कहा कि वह 'कभी अपने पति का फोन नहीं देखती हैं'। टार्डिफ ने जोर देकर कहा है कि 'किताब में सब कुछ तथ्य, तथ्य और केवल तथ्य हैं'। ब्रिगिट ने खुद टार्डिफ को बताया कि उड़ान के दौरान बहुत अशांति थी। उन्होंने कहा कि वह बहुत थकी हुई थीं और सो नहीं पाई थीं।

मोदी जैसा कोई नहीं: पीएम के मुरीद हुए नॉर्वे के पूर्व पर्यावरण मंत्री सोल्हेम, बताया हरित विकास का गारंटर

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के पूर्व मंत्री और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख एरिक सोल्हेम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उनके नेतृत्व और पर्यावरण संबंधी दृष्टिकोण के लिए जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि दुनिया के किसी भी देश में कोई भी नेता अपने देश में मोदी जितना लोकप्रिय नहीं है। पश्चिमी नेताओं को उनके हरित संदेश से बहुत कुछ सीखने को है। सोल्हेम का यह बयान पीएम मोदी के 18-19 मई को नॉर्वे के दौरे से पहले आया है। नॉर्वे के एक अखबार में छपे लेख में सोल्हेम ने पीएम मोदी की लोकप्रियता, आर्थिक सुधारों और हरित विकास पर उनके जोर का जिक्र करते हुए, उन्हें एक ऐसा परिवर्तनकारी नेता बताया जो वैश्विक मंच पर भारत के उदय को गति दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि पश्चिमी नेता मोदी के हरित संदेश से बहुत कुछ सीख सकते हैं। नॉर्डिक प्रधानमंत्रियों को भारतीय नेता के साथ अपनी बैठक के दौरान उन्हें ध्यान से सुनना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के पूर्व प्रमुख ने विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास पर प्रधानमंत्री मोदी के जोर की सराहना की और उन्हें हरित विकास का गारंटर बताया।

मोदी दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक : पीएम मोदी की राजनीतिक हैसियत की तारीफ करते हुए सोल्हेम ने लिखा, भारतीय प्रधानमंत्री की अप्रूवल रेटिंग लगभग 70 प्रतिशत है और वह दुनियाभर में सबसे प्रभावशाली लोकतांत्रिक नेताओं में से एक बने हुए हैं। लेख में पीएम मोदी की गुजरात के वडनगर से हुई शुरुआत पर चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि एक साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से निकलकर दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक का उनका सफर उन्हें असाधारण बनाता है।

भारत 2050 तक दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है : सोल्हेम ने लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था अब सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है जो चीन से अधिक और किसी भी अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं ऊपर है। यदि मौजूदा विकास के रुझान जारी रहते हैं तो 2050 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकती है।

भारतीय राजनीति में हिंदू राष्ट्रवाद निर्णायक शक्ति : पूर्व मंत्री ने भारत के राजनीतिक और वैचारिक विकास पर कहा कि हिंदू राष्ट्रवाद भारतीय राजनीति में एक निर्णायक शक्ति बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समर्थन जुटाया है। पार्टी ने भारत में कुछ ऐसा हासिल किया है जो पूरी तरह से अनोखा और नया है। भाजपा को सभी का समान समर्थन हासिल है। भारत से घनिष्ठ संपर्कों से नॉर्वे को बहुत कुछ हासिल होगा : सोल्हेम के अनुसार, मोदी ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक मेल किया है। नॉर्वे और भारत के बीच मजबूत संबंधों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के साथ घनिष्ठ जुड़ाव दोनों पक्षों के लिए अनगिनत जीत के अवसर पैदा करेगा।

ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति को बताया महान नेता; जिनपिंग बोले- हम साझेदार, प्रतिद्वंद्वी नहीं

बीजिंग, एजेंसी। दुनिया की दो महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्ष, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ने बीजिंग में मुलाकात की है। बता दें कि, अमेरिकी राष्ट्रपति फिलहाल तीन दिन के चीन यात्रा पर हैं और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम वैश्विक मुद्दे पर बात होगी।

जिनपिंग से बोले ट्रंप- आप एक महान नेता हैं : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'चीन और अमेरिका के बीच संबंध पहले से कहीं बेहतर होने वाले हैं... हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा। चीन के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है, आपने जो काम किया है, उसकी मैं सराहना करता हूं। आप एक महान नेता हैं। मैं यह बात हर किसी से कहता हूं। कभी-कभी लोगों को मेरा यह कहना पसंद नहीं आता, लेकिन मैं फिर भी कहता हूं। हमारे सभी महान प्रतिनिधिमंडलों की ओर से, जिनमें दुनिया के सबसे बड़े, सबसे प्रतिष्ठित और शायद सर्वश्रेष्ठ व्यवसायी शामिल हैं... मुझे कंपनी में दूसरे या तीसरे दर्जे के लोगों की जरूरत नहीं थी। मुझे केवल शीर्ष लोगों की जरूरत थी। वे आज यहां आपको और चीन को सम्मान देने आए हैं। वे व्यापार और व्यवसाय करने के लिए उत्सुक हैं, और हमारी ओर से भी यह पूरी तरह से पारस्परिक होगा। मैं हमारी चर्चा के लिए बहुत उत्सुक हूं। यह एक बड़ी चर्चा है। जो लोग कहते हैं कि यह शायद अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन है, उन्हें शायद ही कभी ऐसा कुछ याद हो'।

हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर- ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कहा, 'हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वास्तव में, हमारे दोनों देशों के बीच किसी भी राष्ट्रपति और राष्ट्रपति के बीच का यह सबसे लंबा संबंध है। और यह मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारा रिश्ता शानदार रहा है। हम एक-दूसरे के साथ

अच्छे से रहे हैं। जब भी कोई कठिनाई आई, हमने उसका समाधान निकाला। मैं आपको फोन करता था और आप मुझे। जब भी कोई समस्या हुई, हमने उसका समाधान बहुत जल्दी निकाल लिया और हम एक साथ एक शानदार भविष्य की ओर अग्रसर हैं'।

हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं- जिनपिंग : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस दौरान कहा, 'क्या हम मिलकर वैश्विक चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और दुनिया को अधिक स्थिरता प्रदान कर सकते हैं? क्या हम अपने दोनों देशों के लोगों की भलाई और मानवता के भविष्य के हित में, अपने द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं? ये प्रश्न इतिहास, दुनिया और जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ये हमारे समय के प्रश्न हैं जिनका उत्तर हमें और आपको प्रमुख देशों के नेताओं के रूप में देना होगा... मेरा हमेशा से मानना रहा है कि हमारे दोनों देशों के बीच मतभेदों की तुलना में अधिक साझा हित हैं। एक में सफलता दूसरे के लिए अवसर है। और एक स्थिर द्विपक्षीय संबंध दुनिया के लिए अच्छा है। चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों को सहयोग से लाभ होगा और टकराव से हानि होगी। हमें साझेदार होना चाहिए, प्रतिद्वंद्वी नहीं। हमें एक-दूसरे की सफलता और समृद्धि में सहयोग करना चाहिए और नए युग में प्रमुख देशों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित करने का सही मार्ग खोजना चाहिए।'

जिनपिंग बोले- मैं प्रमुख मुद्दों पर चर्चा के लिए उत्सुक हूं : चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, 'राष्ट्रपति, मैं हमारे दोनों देशों और दुनिया के लिए महत्वपूर्ण प्रमुख मुद्दों पर आपकी चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं, और चीन-अमेरिका संबंधों के विशाल जहाज को सही दिशा देने और उसे आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)